जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शुक्रवार 20 मई, 2022

65 वर्षों का विश्वास

OSWAL SOAP GROUP • OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

मशीन में भी
धुलाई का वही कमाल

MercuryDesign.in

पेश है
ओसवाल लिक्विड डिटर्जेंट
और ओसवाल डिटर्जेंट पाउडर

- धुलाई में कम पानी और कम मेहनत
- कपड़ों की चमक और रंग बरकरार
- ज़िद्दी दागों पर भी असरकारक
- कोई हानिकारक केमिकल नहीं
- हाथों को मुलायम रखे
- घुलने में आसान

नक्ली माल से सावधान

ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चंद देसराज

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और ओसवाल एप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

विचार बिन्दु

मानव जीवन धूल की तरह है, रो-धोकर हम इसे कीचड़ बना देते हैं। –बकुल वैद्य

कैसा मेरा देश है, जिसकी न अपनी भाषा है और न संस्कृति के अनुरूप उसका नाम इण्डिया, न वेबसाइट इण्डिया सरकार भारत ही है।

गांधी का सूत्र वाक्य था, ''कोई भी देश सच्चे अर्थों में तब तक स्वतंत्र नहीं है जब तक वह अपनी भाषा में नहीं बोलता''। यदि भारत को एक राष्ट्र बनाना है तो चाहे कोई माने न माने, राष्ट्रभाषा तो हिन्दी ही बनेगी। संभवत: इसी से प्रेरणा प्राप्त कर संविधान के अनुच्छेद 343 में यह घोषणा की गई कि राजभाषा हिन्दी होगी। रविन्द्रनाथ टैगोर के विचार के अनुसार किसी भी अन्य देश की विदेशी भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान नहीं की जावे। अनुच्छेद 343 में राज भाषा शब्दावली का उल्लेख राष्ट्र भाषा के संदर्भ में किया गया है। संविधान में देश को राज्य कहकर पुकारा गया है अत: राष्ट्र भाषा न कहकर हिन्दी को राजभाषा कहा गया है। राष्ट्र शब्द का प्रयोग अनुच्छेद 51क में किया है जो 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 से लाया गया है। इसके अतिरिक्त संविधान में प्रेसीडेन्ट ऑफ इण्डिया को राष्ट्रपति कहा गया है। अनुच्छेद 51क में राष्ट्र ध्वज व राष्ट्रगान का उल्लेख है।

आश्चर्य है पशु-पक्षी तो राष्ट्रीय घोषित किये गये हैं, किन्तु अंग्रेजी जो विदेशी भाषा है राष्ट्र भाषा हिन्दी के स्थान पर, सिंहासन पर बैठी है और देश का नाम इण्डिया उसकी संस्कृति के अनुरूप नहीं है। राष्ट्र भाषा के बिना हमारा देश आज गूंगा है। संविधान के अनुच्छेद 343 में यह कहा गया है कि ''संघ की राजभाषा हिन्दी होगी और अनुच्छेद 120 में यह उल्लेख किया है कि अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुये संसद के कार्य हिन्दी या अंग्रेजी में किये जावेंगे तथा जब तक विधि द्वारा अन्यथा प्रबंध न करें जब तक इस संविधान के प्रारम्भ से 15 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो कि 'या अंग्रेजी में' शब्दों का उसमें से लोप कर दिया गया है। चूंकि विधि द्वारा अन्यथा उपबंध नहीं किया है अत: 15 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो 'या अंग्रेजी में' शब्दों का लोप कर दिया गया हो।

अनुच्छेद 210 में यही व्यवस्था राज्य की असेम्बली के संबंध में है।

प्रत्येक देश की अपनी भाषा होती है। भाषाओं पर और राष्ट्र भाषा पर गर्व होना चाहिये किन्तु अंग्रेजी हमारे देश की भाषा या बोली नहीं है, यह तो यू.के. की (अंग्रेजों) की भाषा है। हमारी भाषाये तो वे हैं जिनका उल्लेख संविधान की आठवीं सूची में है। ये 22 हैं, जन्म से बोली जाने वाली हैं। इन्हीं में राज्यों में बोली जाने वाली भाषायें हैं, जिसे राज्य के भाषायी अधिनियम द्वारा प्रत्येक राज्य ने स्वीकार किया है। यह दुर्भाग्य की बात है अंग्रेजी मातृ भाषा नहीं है वह फिर भी राष्ट्र भाषा की गद्दी पर बैठी है। जबकि संविधान के अनुसार 26.1.1965 से हिन्दी राज भाषा हो चुकी है।

देश की शिक्षा नीति है और देश के विद्वानों ने, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए.वी. रमना ने तथा देश के प्राइम मिनिस्टर मोदी ने एक आयोजन में कुछ दिन पूर्व ही कहा था कि हमें अदालतों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देना चाहिए, इससे सामान्य जन का न्याय की प्रणाली के प्रति विश्वास बढेगा। शिक्षा नीति पर भी यही विचार विद्वानों से अभिव्यक्त किये हैं कि शिक्षा अपनी भाषा ही में दी जानी चाहिए। जबकि सरकार स्वयं इसके विपरीत कार्य कर रही है। देश में अंग्रेजी स्कूलों की बाढ़ आ रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने को क्रान्तिकारी कदम कहा है। यही राजस्थान के बाबत कहा जा सकता है। लोगों में क्रेज है कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भर्ती कराया जावे। देश को इस पर ध्यान देना होगा। अंग्रेजी पढ़ाओ, किन्तु हिन्दी को महत्वहीन न माने। यह कदम सराहनीय है कि अंग्रेजी में हिन्दी अर्थात् दोनों माध्यम से शिक्षण संस्थानों के संचालन से लोगों को विकल्प चुनने का अवसर मिला है। 5 वर्ष की लॉ की डिग्री प्राप्त करने वाले एडवोकेट हिन्दी में एफआईआर नहीं लिख सकते न हिन्दी में प्लीडिंग्स ही सफलता के साथ लिख सकते हैं। अमेरिका के शासकों का विचार है कि ''यदि हमें भारत से 100 प्रतिशत व्यापार प्राप्त करना है तो हिन्दी सीखनी होगी, क्योंकि गावों में 80 प्रतिशत व्यापार है वहां के लोग अंग्रेजी नहीं जानते''। वहां 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज में हिन्दी पढ़ाई जाती है।

किसी भी लोकतंत्र के लिये यह शर्म की बात है कि उस देश की राष्ट्रभाषा, वहां की मातृ भाषा ही न हो और अन्य देश की भाषा देश की राजभाषा हो। सभी देश अपनी देश की भाषा में बोलते हैं और शासन करते हैं, केवल भारत ही एक मात्र देश है जहां राजभाषा देश की मातृभाषा न होकर, अन्य देश की भाषा है।

यह भी एक दुर्भाग्य ही है कि संविधान में देश का नाम India, that is Bharat कहा गया है। जबकि India हमारी संस्कृति का शब्द नहीं है। पुराणों उपनिषदों आदि धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार देश का नाम ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर भारत है। यों भी भारत का अर्थ भा रत अर्थात् धर्म में लीन है। भा का अर्थ है धर्म और रत का अर्थ है लीन होना। इस संबंध में भारत सरकार के पास प्दकपं का का नाम बदलने के हेतु एक पिटीशन प्रस्तुत की गई है। पिटीशन पूर्व में सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की थी; न्यायालय ने यह मामला संसद के अधिकार क्षेत्र का माना है और पिटीशनर ने संविधान संशोधन कर देश का नाम 'भारत' रखने की मांग की है। पिटीशनर ने कहा कि आक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार इण्डिया शब्द का अर्थ वह ट्राइब है जो बिना पढ़ी-लिखी तथा लूटपाट करने वाली है। वस्तुत: संविधान निमात्री सभा ने संविधान में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया, किन्तु संविधान की मूल प्रति अंग्रेजी में लिखी गई और रूपान्तर हिन्दी में हुआ संविधान में India की कोई परिभाषा नहीं दी गई।

इस प्रकार हमारी संस्कृति पर सीधा प्रहार है। हमारी अपनी संस्कृति है, किन्तु अपनी भाषा नहीं है और न इण्डिया नाम ही अपना है। एक लोकतंत्र के लिये यह श्राप से कम नहीं है।

इन परिस्थितियों में दैनिक भास्कर दिनांक 15.05.2022 के अंक 145 के पृष्ठ 1 पर यह समाचार पढ़ा कि ''अब इण्डिया सरकार भारत लिखकर सरकारी वेबसाइट खोल सकेंगे''। हम सबको गर्व की अनुभूति हुई, यह समझ में आया कि सरकार की यह पहल सचमुच हिन्दी के लिये ऐतिहासिक होगी। दैनिक भास्कर के अनुसार इसका अर्थ होगा सरकार के ''तमाम विभागों, मंत्रालय संगठनों की अंग्रेजी वेबसाइट का हिन्दी स्वरूप भारत के अपने हिन्दी डोमेन से चलाने का निर्णय लिया गया है। यानी अब वेबसाइट का नाम अंग्रेजी में नहीं बल्कि हिन्दी में ही दर्ज होगा और देश की 80 प्रतिशत हिन्दी भाषी आबादी अपनी मातृभाषा में वेबसाइट के यूआरएल दर्ज कर सरकारी महकमों की जानकारी ले सकेगी''।

सरकार की उक्त पहल सराहनीय है और यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है, हिन्दी को इससे ऊर्जा प्राप्त होगी। राष्ट्र भाषा के महत्व को लोग समझेंगे। राजभाषा के संबंध में जो विवाद व गम्भीर चर्चायें संविधान निमात्री समिति में हुई थीं, उस विषय पर गोपाल स्वामी आयंगर के शब्दों में इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है:-

''हम सबने जो अन्तिम निर्णय लिया है वह है कि हमने हिन्दी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। हम जब कोई लक्ष्य प्राप्त करते हैं तो हमें अंग्रेजी को जिसे हमने अपनाया था, उसे विदाई देनी होगी। हिन्दी को अंग्रेजी के स्थान पर अंगीकार करने का कार्य हमने किया है। हमें कुछ वर्षों तक अंग्रेजी का प्रयोग चालू रखना होगा, समय बाद हिन्दी पूर्ण रूप से उसका स्थान ले लेगी।''

संसद की एक कमेटी ने राजभाषा विधेयक अधिनियम, 1963 के तहत् बनाई गई थी, कमेटी ने 114 सिफारिशें राष्ट्रपति को प्रस्तुत की थीं किन्तु पालना मंत्रियों ने ही नहीं की।

किसी भी लोकतंत्र के लिये यह शर्म की बात है कि उस देश की राष्ट्रभाषा, वहां की मातृ भाषा ही न हो और अन्य देश की भाषा देश की राजभाषा हो। सभी देश अपनी देश की भाषा में बोलते हैं और शासन करते हैं, केवल भारत ही एक मात्र देश है जहां राजभाषा देश की मातृभाषा न होकर, अन्य देश की भाषा है। प्रत्येक राज्य में वहां की राजभाषा में जिसे राजभाषा अधिनियम द्वारा घोषित किया है राज्य का कामकाज हो रहा है। राज्य की भाषा से हिन्दी की कोई तकरार नहीं है। संसद से अपेक्षा है कि संसद संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन कर देश का नाम भारत, अनुच्छेद 343 में संशोधन कर यह लिखा जावे कि राजभाषा (राष्ट्र भाषा) हिन्दी है तथा वेबसाइट का नाम भारत की संस्कृति के अनुरूप हो। भारत का संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रम नं0 15 में 'देशी राज्य' व 'इण्डिया' को उपरोक्त संशोधन के अनुरूप संशोधित कर परिभाषित करें।

'जय भारत', 'जय हिन्दी'।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

उदयपुर का राजकीय विश्वविद्यालय, कुलपतियों के लिए श्रापित

आज़ादी के समय तक राजस्थान में कोई विश्वविद्यालय नहीं था अपितु कुछ राजकीय महाविद्यालय थे लेकिन उनकी सम्बन्धता आगरा यूनिवर्सिटी से थी और परीक्षाएं भी आगरा विश्वविद्यालय ही करवाता था तथा डिग्री भी आगरा विश्वविद्यालय से प्रदान होती थी। जयपुर में पहला विश्वविद्यालय खुला, उसके विकास की दास्तान भी अजीब है मोहन सिंह जी मेहता ने उसे कैसे सरकार से कम समर्थन मिलने पर भी विश्वविद्यालय का पूरा ढांचा खड़ा कर दिया।

उदयपुर में 1962 में प्रदेश का पहला और देश का दूसरा कृषि विश्वविद्यालय स्थापित हुआ लेकिन कतिपय नेताओं के दबाव स्वरुप उसे बहुसंकायी बनाकर उदयपुर विश्व विद्यालय नाम दिया गया। डॉ. जी.एस. महाजनी कुलपति नियुक्त हुए, उनसे पहले संभवत: डॉ. बी. हूजा कुलपति बने थे।

बीकानेर का पशु चिकित्सा और जोबनेर कैंपस दोनों उदयपुर यूनिवर्सिटी के संघटक कैंपस थे। कुलपति डॉ. महाजनी एक अनुभवी, योग्य विनम्र स्वभाव वाले व्यक्ति थे, वे अपनी निजी कार से ही ऑफिस आते जाते थे और मैंने सुना था कि वे एक रूपया तनखाह लेते थे। मैं उनके संपर्क में अनेक बार आया, सबोर्डिनेट स्टाफ टीचर को वे अपनी कुर्सी से उठकर स्वागत करते। ऐसे कुशल व्यक्ति को भी उदयपुर के लोगों ने आरोपों की झड़ी लगाकर परेशान किया और उनके कार्यकाल में घटित दोषों पर एक यलो बुलेटिन प्रकाशित किया। वे 1971 में यहां से चले गए, महारास्ट्रियन थे। उनके बाद श्री सत्यप्रसन्न सिंह भंडारी कुलपति बने मेरे विचार से वे प्रसाशनिक वर्ग से थे।

कुछ ही समय पश्चात् डॉ. पृथ्वी सिंह लम्बा कुलपति नियुक्त हुए। डॉ. लम्बा अनुशासन और कार्य संपादन में बड़े निपुण थे। डॉ. लाम्बा भी लोगों को नहीं भाये और कुछ लोगों ने उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया, जिसमे निदेशक अनुसन्धान भी लिप्त हो गए। बाद में डॉ. लम्बा ने उन्हे सेवा से बर्खास्त कर दिया। छात्रों के एक वर्ग ने कुलपति के विरुद्ध आंदोलन किया और एक रात कुछ छात्र नेताओं ने उनके निवास में घुस कर उनसे मारपीट तक कर दी।

सरकार ने कुलपति को जयपुर बुलाया और त्यागपत्र देने की सलाह दी इस पर डॉ. लम्बा ने कहा कि मेरे बाकी बचे समय की सभी देनदारियां मुझे दे दें। सरकार ने उनकी शर्त मान उन्हें बाकी समय का धन दे दिया वे त्यागपत्र देकर चले गए। राज्य सरकार ने उनके विरुद्ध एस. डी. सिंह कमीशन (सेवानिवृत अल्लाहाबाद हाई कोर्ट जज) के अध्यक्षता में जांच आयोग बिठा दिया। वे दो वर्ष तक कुलपति का कार्य करते रहे। जांच आयोग की रिपोर्ट किताब रूप में दो वॉल्यूम में छापी गयी।

तदउपरान्त, उत्तेर प्रदेश के एक उच्च कोटि के वैज्ञानिक व् तत्कालीन मेंबर ऑफ़ लेजिस्लेटिवे असेंबली डॉ राज नाथ सिंह उदयपुर में कुलपति नियुक्त किये गए उन्होंने इस पद के लिए किसी से निवेदन नहीं किया था अपितु चंद्र शेखर और भैरों सिंह शेखावत को वे एक समारोह में मिले थे, बातचीत में भैरों सिंह शेखावत उनकी शैली व् व्यवहार से बहुत प्रभावित हुए और उन्हें उदयपुर में कुलपति पद देने की पेशकश की, जिसे उन्होंने उन दोनों से प्रभावित होकर स्वीकार कर लिया और नियुक्ति आदेश मिलने पर उदयपुर आ गए। मैं उस समय जोबनेर में कार्यरत था, उनके आने की सूचना मिलने पर मैं उनसे मिलने जयपुर हवाईअड्डा पहुंच गया। मैं उन्हे पहले से ही जानता था क्योंकि वे अमेरिका की आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी से डेयरी माइक्रोबायोलॉजी में पी. एच डी धारक थे और प्रदेश सरकार में कई पदों पर सेवा के वाद वाराणसी में उदय प्रताप कॉलेज में वर्षो प्रिंसिपल रहे। उदयपुर में ज्वाइन करने के बाद कुछ राजनितिक लोग

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

किसी किताब के विमोचन को लेकर उनके पीछे पड़ गए। वे सुप्रीम कोर्ट चले गए। सरकार ने वहां अपनी हार होते देख डॉ. कुरूप को उन्हें मनाने और त्यागपत्र देने को राजी कर लिया, जिसको उन्होंने बेमन से स्वीकार कर लिया और वे त्यागपत्र देकर चले गए। तत्कालीन सरकार ने अपनी जैसे-तैसे इज्जत बचा ली लेकिन एक उच्च स्तर के डेयरी विज्ञानी और शिक्षाविद से यूनिवर्सिटी को हाथ धोना पड़ा। तत्पश्चात प्रदेश के कृषि विभाग के निदेशक डॉ. रणवीर सिंह को कुलपति का भार सौंप दिया।

डॉ. तलवार के उपरांत प्रसाशनिक अधिकारी श्री पी.एन. भंडारी और फिर नरेंद्र सिंह सीसोदिया को कुलपति बनाया। इन दोनों के कार्य काल में कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं घटी।

वर्ष 1985 के दूसरे छ: मास में डॉ. के एन नाग जो उदयपुर में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता थे कुलपति नियुक्त हुए। डॉ. नाग एक कुशल कार्यशील वयक्ति थे। सरकार ने उन्हे वर्ष 1987 बीकानेर कृषि विश्व विद्यालय की स्थापना कर वहां का कुलपति नियुक्त कर दिया। कार्य करते उन्होंने भी कई बड़े अनुभवी अधिकारिओं से दूरी बना कर कार्य करना शुरू किया, जिसका विरोध बहुत हुआ और प्रदेश के लगभग 13-14 लेजिस्लेटरों ने सरकार को एक विस्तृत मेमोरंडम प्रस्तुत किया, जिसके फल स्वरुप डॉ. नाग को हटना पड़ा और कुलपति का कार्य डॉ. सक्सेना मृदा विज्ञानी को सौंप दिया। इस प्रकार समय से पूर्व डॉ. नाग को सरकार द्वारा घर भेज दिया गया। उदयपुर के परिसर को विकसित करने का श्रेय डॉ. नाग को ही जाता है।

डॉ. नाग उपरांत पूर्णकालिक कुलपति बड़े फैन फेयर के साथ डॉ. हरज्ञान सिंह जो कृषि विश्वविद्यालय में पहले निदेशक अनुसन्धान थे। कुलपति नाग से नाराज होकर जम्मू कश्मीर चले गए थे, को पूर्ण कालिक कुलपति नियुक्त कर दिया। डॉ. सिंह एक कर्मठ, ईमानदार और एग्रोनोमी के विशेषज्ञ थे परन्तु अपनी हठधर्मिता के कारण उन्हें भी आरोप लगा कर पदमुक्त कर दिया सर्वोच्च न्यायालय जाते हुए उन्हें दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई उनके विरुद्ध भी मंगल बिहारी जाँच आयोग ने जांच रिपोर्ट में उनके विरुद्ध सभी आरोप बेबुनियाद और गलत पाए। उनके बाद बीकानेर में दो प्रसाशनिक अधिकारी हल्दीया और राकेश हूजा कुलपति पद का कार्य करते रहे। जब तक कि डॉ. पटेल (करनाल से) से कुलपति नियुक्त होकर नहीं आ गए लगभग 3 वर्ष से अधिक समय तक डॉ. पटेल कुलपति रहे उनके बाद नियुक्त हुए डॉ. खगेश्वर प्रधान जो एक विख्यात पशु पोषण विज्ञ थे डॉ. प्रधान के विरुद्ध भी विश्वविद्यालय के ही अफसरों ने वित्तीय घोटालों की रिपोर्ट सरकार को कर दी फलस्वरूप एक साफ़ छबि वाला निष्ठावान व्यक्ति भी विश्व विद्यालय अफसरों की व्यूह रचना का शिकार होकर पद छोड़ गया, वे भुवनेश्वर के रहने वाले थे।

तत्पश्चात वर्ष 1999 नवंबर में महाराणा प्रताप कृषि विश्व विद्यालय की स्थापना हो गयी, यहाँ भी एक-दो कुलपतिओं को छोड़कर सभी भ्रष्ट कृत्यों के लिए आरोपित हुये जिनके राजनैतिक सम्बन्ध सुद्रढ थे वे बच निकले। अभी वर्तमान कुलपति डॉ. नरेन्द्रसिंह राठौर का कार्यकाल पूरा नहीं हुआ है लेकिन विरोध चालू हो चूका है। विरोध की सीमा ऐसी कि प्रबंध मंडल के सरकार द्वारा नामित सदस्य को कुछ मुद्दों को लेकर भूख हड़ताल जैसे क़दमों को उठाना पड़ा। क्या सरकार में कोई अफसर उनसे बात कर स्थिति को संभालने में मदद नहीं कर सकता था? मेरी समझ से मुद्दे भी ऐसे नहीं हैं जिन पर कुलपति अथवा सरकार आश्वासन नहीं दे सकती? संभवत: विरोध अभी चालू है, परणीति क्या होती है समय बताएगा? लेकिन सम्पूर्ण दोष राज्य सरकार का है जिसके तीन पदेन सदस्य सेक्रेट्री स्तर के हैं। वे कभी भी प्रबंध मंडल की मीटिंग में नहीं आते फिर उन्हे प्रबंध मंडल में पदेन सदस्य रखने का क्या तात्पर्य? मैं स्वय प्रबंध मंडल का सदस्य रहा हूं और मेरा यह निश्चित मत है कि सदस्यों से रिपोर्ट मिलने पर भी सरकार कोई हस्तक्षेप नहीं करती चाहे स्थित कितनी ही विकराल हो। ऐसे विश्व विद्यालय कुलपति कैसे चलाएंगे?

उदयपुर के ही सुखाड़ीया विश्वविद्यालय के कुलपति भी आरोपों के घेरे में आ चुके हैं। केरल राज्य के राज्यपाल श्री आरिफ मोहमद खान को भी आश्चर्य व्यक्त करना पड़ा कि कुलपति की नियुक्ति में करोड़ों रुपयों की रिश्वत ली जाती है? क्या सच और क्या गलत? विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा बर्बादी के कगार पर पहुंच चुकी है। उस पर राजस्थान सरकार कुलपति नियुक्ति मामले में राज्यपाल की भूमिका को संभवत: नगण्य करना चाहती है? फिर सरकारी स्तर पर वरिष्टता की भूमिका कौन निभाएगा? अभी ये साफ़ नहीं है कि राज्यपाल कुलधपति भी रहेंगे अथवा नहीं? मुद्दा गंभीर व् विचारणीय है।

– प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति प्रताप कृषि एवं
प्रौद्योगिकी विवि , उदयपुर

बाल श्रम उन्मूलन के लिये डरबन में आयोजित सम्मेलन में थानागाजी की तारा बंजारा ने शिरकत की

सम्मेलन में वैश्विक समुदाय को दिलाया बाल श्रम एवं बाल शोषण के खात्मे का संकल्प

थानागाजी, (निसं)। दुनिया से बाल श्रम उन्मूलन के लिए डरबन दक्षिण अफ्रीका में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा 5वें सम्मेलन का आगाज किया गया। जिसमें राजस्थान अलवर जिले के थानागाजी उपखंड क्षेत्र के छोटी सी बंजारा बस्ती निमड़ी से पूर्व में बाल मजदूर रह चुकी नोडमिक बंजारा समुदाय की लाडो तारा बंजारा ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर तारा बंजारा ने अपने जैसे बच्चों की बाल श्रम, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, बाल यौन शौषण से सुरक्षा की मांग करते हुए कार्यक्रम में वैश्विक समुदाय के प्रतिभागियों को संकल्प दिलाया कि कोई भी बच्चा बाल श्रम, चाइल्ड ट्रैफिकिंग व बाल शौषण का शिकार ना हो।

बंजारा समुदाय की लाडो तारा बंजारा ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तारा बंजारा ने कहा कि आज हम हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा मुहैया कराने की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि दुनियाभर की सरकारें बच्चों को अपने वोट का हिस्सा नहीं मानकर बच्चों को सुरक्षा मुहैया कराने का कोई प्रयास नहीं करती है।

- **राजस्थान से पूर्व बाल मजदूर अमरलाल, राजेश जाटव एवं तारा बंजारा ने कार्यक्रम में भाग लिया**

तारा ने अपनी बस्ती सहित आस-पास से 22 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करवाकर स्कूल में दाखिला करवाया तथा तारा लगातार बाल आश्रम संस्थापिका सुमेधा कैलाश के मार्गदर्शन में बाल विवाह एवं अशिक्षा के कलंक को मिटाने के लिए संघर्ष कर रही है।

तारा अपनी समुदाय एवं बालिकाओं के लिए अपने आप एक मिसाल बन गई है। तारा बंजारा बस्ती की पहली युवा लड़की है जो स्कूली शिक्षा पूरी कर कॉलेज में दाखिला लेकर अपनी उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने में जुटी हुई है तथा तारा पुलिस सेवा में जाने का सपना पूरा करने के लिए मेहनत कर रही है।

डरबन दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित बाल श्रम उन्मूलन सम्मेलन में राजस्थान से पूर्व बाल मजदूर अमरलाल, राजेश जाटव एवं तारा बंजारा ने कार्यक्रम में भाग लिया।

पेयजल समस्या से त्रस्त वार्ड संख्या 10 के लोगों ने मटके फोड़ जताया आक्रोश

अजमेर, (कासं)। नगर निगम के वार्ड संख्या 10 रावत नगर भाटी की डांग में पेयजल समस्या से त्रस्त वार्डवासी महिलाओं ने गुरुवार को भीषण गर्मी के बीच मटका फोड़ कर जल दाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश जाते हुए प्रदर्शन किया और समस्या के जल्द समाधान की मांग की। समस्या का समधान नहीं होने पर जल दाय विभाग और जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी भी दी।

नगर निगम के वार्ड संख्या 10 स्थित रावत नगर भाटी के डांग वार्डवासी महिलाओं ने गुरुवार को क्षेत्र में पर्याप्त और नियमित पेयजल सप्लाई नहीं होने से आक्रोशित होकर जल दाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मटके फोडक़र अपने आक्रोश का इजहार किया। क्षेत्र की महिला और पुरुषों ने बताया कि वार्ड नंबर 10 के रावत नगर भाटी की डांग में रहने वाले लोग बरसों से पेयजल समस्या से त्रस्त है, लेकिन क्षेत्र में मात्र 15 मिनट के लिए पेयजल सप्लाई ही होती है, वह भी कम प्रेशर के साथ, इसके बावजूद यहां हेडपंप लगे हुए हैं, लेकिन वह काम नहीं करते। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है। इससे पहले भी कई बार अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। लेकिन उनकी समस्या का आज तक हल नहीं हुआ। जबकि इन दिनों अजमेर में भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण पानी की समस्या विकराल रूप ले रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पानी सहित अन्य समस्याओं को लेकर न तो विधायक और न ही पार्षद कोई ध्यान दे रहा। कई बार जलदाय अधिकारियों को भी समस्या से अवगत करवाया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। लोगों ने चेतावनी दी कि आज तो मटकी फोड़ कर विरोध प्रदर्शित किया गया है।

आक्रोशित वार्डवासियों ने जलदाय विभाग के कार्मिकों के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन किया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 20 मई, 2022

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 1:18 तक, शुभ योग दिन 11:24 तक, कौलव करण प्रात: 6:57 तक, चन्द्रमा प्रात: 8:45 से मकर राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग रात्रि 1:18 से सूर्योदय तक और सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग रात्रि 1:18 से आरम्भ होगा। आज विवाह मुर्हूत उत्तराषाढा में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:21 तक, लाभ-अमृत 7:21 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:04 तक, चर 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:06

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

वृष
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। पारिवारिक कार्यों व्यस्तता बनी रहेगी। अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मीन
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल हेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 289 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 20 मई, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जैसे-जैसे वन्यजीव पर्यटन बढ़ा है, पर्यटकों में वन्यजीवों के करीब जाने की प्रवृति भी बढ़ी है। मलेशिया में तो पर्यटक मोटर बोट्स पर चढ़कर नदी किनारे रहने वाले प्रोबॉस्कस (प्रोबॉसस) बंदरों के बिल्कुल करीब जाने का प्रयास करते हैं। पर्यटक तो लुत्फ उठाते हैं लेकिन इस दखलंदाजी से बंदर परेशान हो जाते हैं। मुख्य शोधकर्ता, ब्रिटेन की युनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ की मारियाना डाविला- रॉस कहती हैं कि ''वर्षा वनों में मोटर बोट के सहारे प्राइमेट इकोटूरिज़्म बहुत बढ़ रहा है, इसमें मलेशिया भी शामिल है। हमने शोध में यह जानने का प्रयास किया है कि मोटर बोट्स का इन जंगली वानरों पर किस हद तक नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, खासकर प्रोबॉस्कस वानरों पर, क्योंकि अभी तक भी इस विषय पर कोई अध्ययन नहीं हुआ है।'' शोधकर्ता लिखते हैं कि ''पर्यावरण में मनुष्य की वजह से होने वाले परिवर्तनों के कारण वानरों व अन्य जानवरों की तरफ इंसानों की पहुंच कायम रहेगी जिससे उनके अस्तित्व के लिए चुनौतियां और बढ़ेंगी। पर्यटन क्षेत्र में इकोटूरिज़्म तेजी से बढ़ता सैक्टर है। इसमें पर्यटक जानवरों के बहुत करीब जाते हैं, जिससे जानवरों में रोग संक्रमण तथा कॉर्टिसॉल (तनाव संबंधी रसायन) बढ़ने का खतरा हो जाता है। विश्लेषण के लिए शोधकर्ताओं ने मलेशिया के सबाह राज्य में नदियों के किनारे रह रहे प्रोबॉस्कस बंदरों के 6 समूह बनाए। हरेक समूह में एक नर व कुछ मादाएं थीं। शोधकर्ताओं ने लोअर किनाबातांगन वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में किनाबातांगन नदी के समीप रह रहे वानरों पर शोध किया। वहां लगभग दो से तीन हज़ार वानर हैं। शोधकर्ता मोटर बोट में सवार होकर तीन अलग-अलग रफ्तारों व दूरी से वानरों के पास पहुंचे, फास्ट क्लोज़, स्लो क्लोज़ और स्लो फार। उन्होंने, तीनों स्थितियों में, नौका के आने से पहले बंदरों द्वारा प्रदर्शित व्यवहार की तुलना नौका पास आने पर उनके व्यवहार से की। उन्होंने देखा कि फास्ट क्लोज़ व स्लो क्लोज़ स्थिति में बंदर नौका को घूर रहे थे, पीछे हटकर पत्तों के पीछे छिप रहे थे और लगातार खुजा रहे थे। इन स्थितियों में उनका तनावजनित व्यवहार ज्यादा देर तक चला। इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ प्राइमटॉलजी में छपे शोध में डाविला रॉस कहती हैं कि, ये नतीजे पक्षियों व समुद्री स्तनपायी जीवों पर हुए शोध के नतीजों जैसे ही हैं, जो कहता है कि तेज आवाज वाली नौका के पास आने पर स्ट्रैस होना सर्वव्यापी प्रतिक्रिया है, क्योंकि यह स्थिति जानवरों को खतरे जैसी लगती है। यह पहला शोध है जो दर्शाता है कि मोटरबोट करीब आने पर बंदर भी तनावग्रस्त हो जाते हैं।

'गेहूँ के निर्यात पर प्रतिबंध, अमीर देशों की जमाखोरी रोकने के लिये है'

'कोविड-19 के समय अमीर देशों ने वैक्सीन की भारी जमाखोरी की, जिससे अमीर देशों के पास आवश्यकता से अधिक वैक्सीन थी, जबकि गरीब देशों को प्रारंभिक डोज़ भी नहीं लगी थी'

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के अपने निर्णय का सुदृढ़ बचाव करते हुए और अमेरिका तथा जी-7 देशों की सीधी आलोचना का जवाब देते हुए भारत ने खाद्यान्नों की जमाखोरी व खाद्यान्न की कीमतों में ''अनुचित वृद्धि'' व भेदभाव को लेकर चिंता प्रकट की है। भारत ने पश्चिमी देशों को सावचेत किया है और जताया कि खाद्यान्न मुद्दे का हश्र कोविड-19 वैक्सीन्स के जैसा नहीं होना चाहिए, जिसमें गरीब देशों ने शुरूआती डोज़ के लिए भी संघर्ष किया, जबकि अमीर देशों के पास वैक्सीन के जरूरत से अधिक डोज़ थे।

''ग्लोबल फूड सिक्योरिटी कॉल टू एक्शन'' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय मीटिंग में विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने भारत की आशंकाओं को स्पष्ट रूप से सामने रखा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मई माह के लिए अमेरिकी अध्यक्षता के अधीन इस मीटिंग की अध्यक्षता अमेरिका के विदेश मंत्री एन्टनी ब्लिंकन ने की।

मुरलीधरन ने कहा कि गेहूं निर्यातों को प्रतिबंधित करने का भारत का निर्णय इसकी सर्वाधिक जरूरतमंद तक

- **भारत के विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन ने यू.एन.ओ. की बैठक में गेहूँ के निर्यात पर प्रतिबंध को पुरज़ोर ढंग से सही ठहराया। बैठक की अध्यक्षता अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिन्कन कर रहे थे।**
- **''प्रतिबंध से भारत अपनी ''फूड सिक्युरिटी' के अलावा पड़ोसी देशों की तथा निर्धन देशों की आवश्यकता पूरी करना चाहता है। ''ओपन मार्केट'' का मकसद कुछ अमीर देशों की असमानता को पनपाना नहीं है।''**

''वास्तविक'' पहुंच सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने इस पर जोर दिया कि ''कम आय वाले कई समाज आज बढ़ती कीमतों और खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई की दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। यहां तक कि खाद्यान्न का पर्याप्त स्टॉक रखने वाले भारत जैसे देश भी खाद्य कीमतों में अनुचित वृद्धि देख चुके हैं। स्पष्ट है कि जमाखोरी और सट्टेबाजी अपना काम कर रही है। हम इसे बिना चुनौती दिए नहीं रह सकते।''

उन्होंने कहा कि ''हमारी स्वयं की खाद्य सुरक्षा तथा पड़ोसी एवं अन्य कमजोर विकासशील देशों की जरूरतों में सहयोग देने के लिए हमने गेहूं निर्यात को लेकर गत 13 मई को कुछ उपायों की घोषणा की थी।''

मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा को आगे बढ़ाने में अपनी उचित भूमिका निभाएगा और इस तरीके से कार्य करेगा जिसमें साम्य व करूणा हो तथा सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन मिलता हो।

मुरलीधरन ने कहा कि ''हम भारी कीमत चुकाकर पहले ही यह देख चुके हैं कि इन सिद्धांतों की कोविड-19 वैक्सीन्स के मामले में किस प्रकार अनदेखी की गई।'' उन्होंने आगे कहा कि जब बात खाद्यान्न की हो तो सभी देशों के लिए यह आवश्यक है कि वे ''साक्य'' क्रम सामर्थ्य और ''खाद्यान्न तक पहुंच'' के महत्व को उचित प्रोत्साहन दें।''

मुरलीधरन ने मुश्किल समय में अपने सहयोगियों की मदद करने के भारत के ''ट्रैक रिकॉर्ड'' का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि कोविड-19 की वैश्विक महामारी व यूक्रेन युद्ध सहित वर्तमान संघर्षों के बीच भी देश में खाद्यान्नों की कमी नहीं रही है।

उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार) तथा पड़ोस पहली प्राथमिकता के संस्कारों पर चलते हुए हम हमारे पड़ोसियों की सहायता करना जारी रखेंगे और उनके कठिन वक्त में उनके साथ हमेशा खड़े रहेंगे।''

भारत ने झुलसा देने वाली गर्मी के कारण गेहूं की कमी के बीच उसकी ऊंची कीमतों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से गत 13 मई को इसके निर्यातों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

केन्द्र सरकार के अनुसार इस आदेश से तीन प्रमुख उद्देश्य सधे। भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और महंगाई को नियंत्रित करना, खाद्यान्न की कमी का सामना कर रहे अन्य देशों की मदद करना और एक सप्लायर के रूप में भारत की विश्वसनीयता को बनाए रखना।

तथापि डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डी.जी.एफ.टी.) ने इस निर्णय को अधिसूचित करते हुए गत सप्ताह कहा था कि केन्द्र सरकार की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शिवाजी की भूमि पर, औरंगाबाद में औरंगज़ेब की कब्र की क्या आवश्यकता है'

राज ठाकरे व पूर्व मु.मंत्री देवेन्द्र फड़णविस द्वारा यह मुद्दा उठाने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने औरंगज़ेब की कब्र पर सुरक्षा बढ़ायी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। औरंगाबाद स्थित सम्राट औरंगजेब का मकबरा महाराष्ट्र की राजनीति का नया केन्द्र क्यों बन गया है?

राज्य विधानसभा में सर्वाधिक विधायक होने के बावजूद, सरकार बनाने में असमर्थ रहने की निराशा के दंश से पीड़ित भाजपा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एम.वी.ए. (महाराष्ट्र विकास अघाडी) सरकार को अस्थिर करने की कोशिश लगातार करती आ रही है। फिल्म स्टार सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से संबंधित केस में मुम्बई पुलिस को कटघरे में खड़ा करने की कोशिशों के बाद, अंबानी के आवास के पास, एक कार में विस्फोटक पदार्थ

- **जब से तेलंगाना के विधायक अकबरूद्दीन ओवैसी ने कब्र पर जाकर सम्मानपूर्वक फूल चढ़ाये, यह कब्र एक राजनीतिक मुद्दा बन गयी है।**

पाये जाने के प्रकरण में हुई जांच-पड़ताल के सिलसिले में, केन्द्रीय एजेंसियां अलग-अलग तरीके से राज्य सरकार को घेरती दिखाई दीं। औरंगजेब के स्मारक से संबंधित विवाद के चलते, भाजपा को ठाकरे सरकार को परेशान करने का एक और अवसर मिल गया है। इस मकबरे ने उस समय एक राजनैतिक विवाद का रूप ले लिया, जब तेलंगाना विधायक अकबरूद्दीन ओवैसी इस क्रब्र के प्रति अपना आदर-सम्मान प्रकट करने के लिय यहाँ आया। इस घटना ने राज ठाकरे की एम.एन.एस. तथा भाजपा को उद्धव ठाकरे सरकार पर हमला बोलने का अवसर दे दिया। जब महाराष्ट्र सरकार ने इस मकबरे की सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी तो एम.एन.एस. तथा भाजपा नेताओं ने सरकार के इस निर्णय पर सवाल खड़े किये। एम.एन.एस. प्रवक्ता गजानन काले ने कहा, ''छत्रपति शिवाजी की भूमि पर औरंगज़ेब की कब्र की जरूरत क्या है? इस मकबरे को ध्वस्त कर दो। बाला साहेब ने भी यही कहा था।'' वरिष्ठ भाजपा नेता प्रसाद लाल ने प्रश्न किया, ''क्या बाला साहेब ठाकरे का हिन्दुत्व यही है? या फिर यह शरद पवार और सानिया गांधी का हिन्दुत्व है? औरंगज़ेब ने मंदिर नष्ट कर दिये थे। जब तक यह मकबरा ध्वस्त नहीं कर दिया जाता, हम चैन से नहीं बैठेंगे।'' वरिष्ठ भाजपा नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा: ''बाला साहेब को यह देखकर बहुत कष्ट हुआ होता कि उनके पुत्र के शासनकाल में, हनुमान चालीसा का पाठ राजद्रोह हो जायेगा तथा औरंगजेब के मकबरे पर जाना एक अनुष्ठान (प्रोटोकॉल)।

औरंगजेब का मकबरा भी मुगलकाल के उन 4000 स्मारकों में शामिल है, जो ए.एस.आई. संरक्षित राष्ट्रीय महत्व के स्थल हैं। ये स्थल 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के तहत संरक्षित हैं।

'घर-घर राशन नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को आप सरकार की घर-घर राशन पहुँचाने की उस योजना को रद्द कर दिया, जिसका मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने बड़ी धूमधाम से प्रचार-प्रसार किया था तथा

- **दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार की बहुप्रचारित, राशन की होम डिलीवरी योजना पर रोक लगा दी। ये आदेश दिल्ली सरकारी राशन संघ की याचिका पर दिए गए।**

कहा था कि सरकार के इस कदम से उचित मूल्य की दुकानों द्वारा की जाने वाली राशन के सामान की काला बाजारी रुक जायेगी। यह फैसला दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल के इस्तीफे के एक दिन बाद आया है, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने बनारस के न्यायालय को आगे सुनवाई से रोका

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अब वह शुक्रवार को दोपहर 3 बजे इस ''ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण'' की स्वयं सुनवाई करेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने वाराणसी की अदालत, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद केस विचाराधीन हैं, से गुरुवार को कह दिया कि इस मामले में आगे की कोई कार्यवाही न करे क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय उसे अपने हाथ में ले रहा हैं। अब इसकी अगली सुनवाई शुक्रवार को अपराह्न 3 बजे होगी।

न्यायमूर्ति डॉ.डी.वाई. चन्द्रचूड एवं पेमिदिघंतम श्री नरसिम्हा की बैंच ने यह निर्णय उस समय लिया, जब बैंच की जानकारी में यह बात लाई गई कि वरिष्ठ वकील हरिशंकर जैन, जो वाराणसी की अदालत में हिन्दू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, इस बुधवार को

- **बनारस के न्यायालय द्वारा गठित कमीशन ने तीन दिन, 14, 15, 16 मई को काशी विश्वनाथ मंदिर व ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे करके, अपनी रिपोर्ट बंद लिफाफे में बनारस के न्यायालय को 19 मई को सौंपी।**

ही अस्पताल से ठीक होकर घर आ गये हैं। ज्ञातव्य है कि वे पिछली तारीख को अस्वस्थ थे।

अदालत द्वारा नियुक्त उस आयोग ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट गुरुवार को वाराणसी अदालत में पेश कर दी। इस आयोग को काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे करने की जिम्मेदारी दी गई थी। वरिष्ठ वकील आयुक्त विशाल सिंह ने भी अदालत को तीन बॉक्स सौंप दिये हैं जिनमें से प्रत्येक में सर्वे के अलग-अलग दिनों-14,15 तथा 16 मई को की गई वीडियो रिकॉर्डिंग बंद हैं।

शीर्ष अदालत ने इससे पहले अधिकारियों को आदेश दिये थे कि वे इस कॉम्प्लेक्स के उस स्थान की विशेष सुरक्षा रखें, जहाँ एक शिवलिंग मिला बताते हैं। इसके अलावा अदालत ने लोगों को बिना किन्हीं प्रतिबंधों के मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाज़त दे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्धू को जेल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने क्रिकेटर से सुप्रसिद्ध टी.वी. हस्ती तथा उसके बाद राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू (58) को गुरुवार को एक वर्ष के कठोर कारावास का दंड दे दिया। यह सजा उन्हें 34 साल पुराने एक सडक हादसे केस में दी गई

- **कांग्रेस नेता और टी.वी. की चर्चित हस्ती नवजोत सिंह सिद्धू को 34 साल पुरानें सड़क दुर्घटना मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक साल की कैद की सजा सुनाई।**

है। सिद्धू के लिये यह दूसरा आघात है। इससे पहले पंजाब विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जबरदस्त हार होने के बाद, पार्टी ने उन्हें पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष से हटा दिया था।

लेकिन, न्यायमूर्ति ए.एम. खानविल्कर तथा एस.के. कौल की बैंच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1948 में आज़ादी प्राप्त करने के बाद श्रीलंका विदेशी ऋण चुकाने में असमर्थ रहा

ये ऋण अप्रेल में देय हो गये तथा श्रीलंका को एक माह का ''ग्रेस पीरियड'' मिला, वह भी गुरूवार को खत्म हो गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। बढ़ती वैश्विक महंगाई, यूक्रेन युद्ध की अनिश्चितता और खासतौर पर यू.एस. फैडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना के कारण भारत में भी वित्तीय संकट की आहट सुनाई दे रही है।

गुरूवार को इन्टर- डे ट्रेडिंग के दौरान भारतीय करेंसी एक डॉलर की तुलना में सबसे कम 77.72 रूपए रही। भारतीय करेंसी को आर्थिक सुधारों के बाद वर्ष 1992 के दौरान अन्य करेन्सीज़ की तुलना में परिवर्तनशील होने की अनुमति दी गई थी। उसके बाद यह उसकी एक ऐतिहासिक गिरावट है।

आज शेयर बाजार में भी करीब 2.6 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट रही और एक ही दिन में अनुमानत: निवेशकों का 7 लाख करोड़ रुपया डूब गया। यह पिछले दो माह में हुई सर्वाधिक गिरावट है।

- **पर, ऋण नहीं चुकाना कई बार देश के लिये वरदान भी साबित होता है। जैसे 1991-92 में भारत लगभग ऐसी ही, श्रीलंका जैसी स्थिति में था।**
- **पर, फिर इस झटके के बाद भारत ने इकॉनमी को खोलने का साहसिक निर्णय लिया तथा उदारवादी नीति जैसे कई ठोस निर्णय लिये और भारत की इकॉनमी फिर से उठ खड़ी हुई थी।**
- **क्या श्रीलंका भारत के उदाहरण का अनुसरण कर सकेगा, क्योंकि परिस्थिति में थोड़ा फर्क है। श्रीलंका ने चीन के सस्ते ऋण के लालच में कई अतिमहत्वाकांक्षी प्रोजैक्ट्स हाथ में ले लिये थे। ये प्रोजैक्ट या तो पूरे नहीं हुए और पूरे हो भी गये तो उन प्रोजैक्ट्स से वो आर्थिक लाभ नहीं हुआ, जिसका सपना दिखाया गया था।**

पड़ोस में भी आर्थिक संकट है। भारत का पड़ोसी एवं आर्थिक व राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका ने गुरूवार को ऋणों की वार्षिक अदायगी में आधिकारिक चूक कर दी। इस देश को अपने परिपक्व कर्जों के भुगतान करने थे, जिसमें वह चूक गया। यह पहली बार है, जबकि श्रीलंका अपनी भुगतान बाध्यताओं में विफल रहा है और वर्ष 1948 में मिली स्वतंत्रता के बाद उससे इस संबंध में पहली बार चूक हुई है।

भुगतानों को लेकर श्रीलंका की चूक वास्तव में अनदेखी नहीं थी और वित्तीय बाजारों को ऐसा होने की उम्मीद थी। इससे पहले जब राजपक्षे भाईयों की पूर्ववर्ती सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे, तब देश के वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि श्रीलंका 12.6 बिलियन डॉलर के विदेशी ऋणों को चुकाने की स्थिति में नहीं होगा।

एक तरह से यह एक अविचारित चूक थी क्योंकि जब ऋण अप्रैल माह में ही परिपक्व हो गए थे तब वह बकाया भुगतान में शुरू में ही चूक गया था। इस देश ने अपने पेमेन्ट्स का ग्रेस पीरियड भी गुरूवार को खो दिया।

श्रीलंका को वर्तमान आर्थिक संकट पर पार पाने के लिए करीब 4 बिलियन डॉलर के ऋण की तुरंत आवश्यकता है। बैंक ऑफ सीलोन के गवर्नर ने कहा कि चूंकि अब एक नए प्रधानमंत्री एवं उनका मंत्रिमण्डल है, इसलिए देश में कुछ करने की उम्मीद जगी है। नए वित्त मंत्री एक लघु अवधि में बेल आउट के कुछ समझौतों पर साइन करने की स्थिति में होंगे।

फायनैंशियल मार्केट्स के कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जी.एस.टी. लॉ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। गुड्स एण्ड सर्विसेज़ टैक्स (जी.एस.टी.) व्यवस्था पर असर डालने वाले एक बड़े निर्णय के अन्तर्गत, सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को फैसला दिया कि जी.एस.टी. काउंसिल के निर्णय केवल अनुशंसात्मक

- **सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी कर कहा कि, केन्द्र व राज्य अपना-अपना जी. एस. टी. लॉ बना सकते हैं, जी. एस. टी. काउन्सिल के फैसलों को मानना जरूरी नहीं है।**

हैं, बाध्यकारी नहीं, क्योंकि संसद तथा राज्य विधायिकाओं को भी जी.एस.टी. पर कानून बनाने के समान अधिकार प्राप्त हैं। ''मोहन पैरा मिनरल्स'' के केस में समुद्री परिवहन से संबंधित मामले में, गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सड़क हादसे में पहाड़ी के गांव खंडेवला निवासी पांच की मौत

मरने वालों में 4 चचेरे-ममेरे भाई और एक भांजा था

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के पहाड़ी के छोटे से गांव खंडेवला में कोहराम मचा है । एक परिवार के पांच जनों की पहाड़ी थाना इलाके में कल रात दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस कार हादसे में दो सगे भाई भी थे। दोनों भाइयों की शादी 8 मई को दो बहनों के साथ हुई थी। मरने वालों में 4 चचेरे-ममेरे भाई और एक भांजा था।

मृतक के परिजन आसिम खान ने बताया कि हरियाणा से एक रिश्तेदार आए थे। जिन्होंने नई कार खरीदी थी। गत शाम दुकान जाने की कहकर सभी भाई कार से 8 बजे के करीब घर से निकल गए। बहुत देर तक जब वे नहीं लौटे तो चिंता होने लगी। फोन लगाया तो एक ग्रामीण ने उठाया। वह बोला कि यहां एक्सीडेंट हुआ है, सब खत्म हो गये।

कार में इम्तियाज (20) और वासिम (18) सगे भाई भी थे। दोनों की 8 मई को दो बहनों से शादी हुई थी। शादी में ही पूरा परिवार जुटा था। हादसे में इम्तियाज गंभीर घायल हो गया, अलवर में उसका इलाज चल रहा है। वासिम की मौत हो गई। सभी मृतकों के परिवार आर्थिक तौर पर कमजोर हैं। इसके अलावा कार में इम्तियाज का भांजा आशिक भी था, जिसकी मौत हो गई। चचेरे भाइयों फरदीन, अरबाज और परवेज की भी मौत हो गई। सभी परिजन पहाड़ी अस्पताल पहुंचे और सभी को अलवर अस्पताल लेकर गए। जहां पांच युवकों ने एक के बाद एक दम तोड़ दिया। इम्तियाज की हालत भी नाजुक है।

घटना के बाद गांव खंडेवला के परिवार में पसरा मातम।

रिश्वत लेते तहसीलदार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी व दलाल गिरफ्तार

संशोधित पेंशन में विभाग द्वारा निकाली गई कमी की पूर्ति के एवज में ली रिश्वत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के कस्वा डीग में गुरुवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भरतपुर की टीम ने 5 हजार की रिश्वत लेने के आरोप में डीग के तहसीलदार के साथ उनके सहायक प्रशासनिक अधिकारी तथा एक दलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

कार्यवाही के दौरान ब्यूरो की टीम ने रिश्वत की राशि को सहायक प्रशासनिक अधिकारी से बरामद कर लिया। ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश मीणा ने बताया कि तहसील डीग से सेवानिवृत पटवारी धौला कुआं कामां निवासी मुरारी लाल शर्मा से उनकी संशोधित पेंशन में पेंशन विभाग जयपुर द्वारा किये गये एतराज की पूर्ति करने की एवज में 5,000/- रूपये रिश्वत की मांग की गई थी।

शिकायत के सत्यापन के बाद गुरुवार को तहसील डीग के तहसीलदार 55 वर्षीय अशोक कुमार शाह के कहने पर सेवानिवृत पटवारी ने रिश्वत की राशि को बरौली चौथ पुलिस थाना सदर डीग निवासी 27 वर्षिय दलाल कृष्ण कुमार पुत्र प्रेमसिंह जाट को थमा दिया, जिसने रिश्वत की इस रकम को खांगरी थाना नदबई निवासी सहायक प्रशासनिक अधिकारी तहसील डीग प्रकाश सिंह जाट को दे दी। आरोपी प्रकाश सिंह द्वारा रिश्वत राशि प्राप्त कर अपनी पहनी हुई शर्ट की जेब में रख ली, लेकिन ट्रेप की भनक लगने पर उसने अपनी जेब में से रिश्वत राशि निकाल कर अपने कार्य करने की टेबल के नीचे छुपा दी। वह इसे ब्यूरो की नजरों से नही बचा सका। गिरफ्तार तहसीलदार अशोक कुमार शाह पुत्र लक्ष्मीचन्द जैन मूल रूप से सरकारी हॉस्पीटल के सामने बागीदौरा पुलिस थाना कलिंजरा जिला बांसवाडा के निवासी है।

भरतपुर एसीबी की टीम ने डीग कस्बे में कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रेस्क्यू किये गये पैंथर की देर रात मौत

सरदारशहर, (निसं)। क्षेत्र के गांव बन्धनाऊ दिखनादा की रोही में बुधवार दोपहर में पैंथर दिखने की सूचना वन विभाग की टीम को मिली थी। वन विभाग के रेंजर अनूप कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। जहां पर अमरुराम के खेत में बने स्वीच रूम में पैंथर छुपा हुआ मिला।

पैंथर को पकडने के लिए वन विभाग, सरदारशहर व चूरू की टीम और ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए स्वीच रूम के चारों तरफ जाल लगाकर बन्द कर दिया। इसके बाद देर रात जयपुर से रेस्क्यू टीम पहुंचकर पैंथर का रेस्क्यू कर स्थानीय वन विभाग के कार्यालय में ले गए। जहां पर देर रात पैंथर की मौत हो गई। गुरुवार को सुबह वन विभाग की टीम ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर दफना दिया।

जालोर के क्षेत्रीय वन अधिकारी-दो वन रक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सिरोही की टीम ने गुरूवार को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए जालोर वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी व दो वन रक्षक को दस हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया।

एसीबी सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के अनुसार परिवादी ने नाम उजागार नही करने की शर्त पर एक लिखित शिकायत कर बताया कि वह कोयला व्यवसायी है तथा जालोर से भिवाडी - अलवर की तरफ कोयला से भरी हुई गाड़ी को 17 मई को भागली टोल प्लॉजा जालोर पर जालोर वन विभाग के भास्कर चौधरी पुत्र मांगेराम जाट निवासी सांगरोद तहसील खेडका जिला बागपत उत्तर प्रदेश हाल क्षेत्रीय वन अधिकारी द्वितीय, वन बंदोबस्त जालोर महिपाल सिंह निवासी आशापूर्णा कॉलोनी जालोर हाल वन रक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय जालोर व जितेन्द्र कुमार उर्फ विराट जीनगर निवासी निम्बला तहसील आहोर हाल वन रक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय जालोर ने गाड़ी रूकवाकर परिवादी कोयला व्यवसायी को मौके पर बुलाकर गाडी छोडने के एवज में पचास हजार रूपये लिया जाना तय कर चालीस हजार रूपये मौके पर उसी वक्त प्राप्त कर गाडी को छोड़ा ।

क्षेत्रीय वन अधिकारी भास्कर चौधरी, वन रक्षक महिपालसिंह व जितेन्द्र उर्फ विराट ने बकाया राशि दस हजार रूपये तथा आगे से जालोर क्षेत्र में व्यवसाय करने के एवज में परिवादी कोयला व्यवसायी से प्रतिमाह प्रति गाडी दस हजार रूपये की मंथली बंधी तय की गई। जिसकी शिकायत परिवादी ने 18 मई को एसीबी सिरोही को दी। जिस पर 19 मई गुरूवार को वक्त सत्यापन बकाया राशि दस हजार रूपये मांगने एवं आगे से प्रतिमाह प्रति गाडी दस हजार रूपये मंथली बंधी के रूप में तीन गाडियो की पुष्टि होने पर गुरूवार को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए सभी आरोपितो को बकाया रिश्वती राशि दस हजार रूपये प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफतार किया। राशि बरामद कर क्षेत्रीय वन अधिकारी भास्कर चौधरी, वन रक्षक महिपालसिंह व वनरक्षक जितेन्द्र कुमार उर्फ विराट को गिरफतार कर एसीबी की टीम ने अग्रिम कार्यवाही पुलिस थाना जालोर में शुरू की।

श्रीगंगानगर में तापमान 46 डिग्री सैल्सियस के पार

श्रीगंगानगर, (निसं)। गुरुवार को इलाका एक बार फिर तपने लगा। बुधवार के मुकाबले तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की तेजी से सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। वहीं शाम छह बजे तक हवा में लू के थपेड़ों का असर महसूस हो रहा था।जो लोग सड़कों पर निकले भी तो गर्मी से बचाव के तमाम इंतजाम के साथ। दोपहर में लू के थपेड़ों से बचने के लिए अधिकांश लोगों ने सिर और चेहरों को पूरी तरह टोपी और साफों से ढक लिया। शहर के पार्कों में दोपहर में लोग पेड़ की छांव में गर्मी से निजात पाते दिखे। तापमान में बुधवार के मुकाबले करीब दो डिग्री सेल्सियस की तेजी आई। बुधवार को जहां अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस था वहीं गुरुवार को यह 46.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

चौरू क्षेत्र में खुले आम हो रहा अवैध बजरी परिवहन

उनियारा/चौरू, (निसं)। उनियारा उपखण्ड क्षेत्र चौरू में रॉयल्टी की रसीद नहीं कटवा बजरी माफिया अपने दबंगता का डर दिखाकर खुलेआम बजरी का परिवहन कर रहे हैं इससे राज्य सरकार को रोजाना लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

- रॉयल्टी की रसीद नहीं कटवा बजरी माफिया दबंगता से कर रहे परिवहन

अलीगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौरू क्षेत्र में चौथ का बरवाड़ा सड़क मार्ग से होते हुए खुलेआम दिनदहाड़े बजरी का परिवहन हो रहा है, जिन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं है। सूर्योदय से देर रात्रि तक इस सड़क मार्ग पर बजरी माफियाओं का राज रहता है। एक साथ 50-50 ट्रैक्टर ट्रॉली बजरी से ओवरलोड भरकर बिना रॉयल्टी रसीद कटवाए हुए फिल्मी अंदाज में इस मार्ग पर दिनदहाड़े चलते हैं।

पुलिस में शिकायत होने के बाद भी इस मार्ग पर गस्त नहीं होना पुलिस की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान है। चौथ का बरवाड़ा के पास बनास नदी होने के कारण बजरी माफिया इस नदी से बजरी का अवैध खनन करते हुए चौथ का बरवाड़ा से चौरू होते हुए इस मार्ग पर खुलेआम अवैध रूप से बजरी का परिवहन करते हैं।

अलीगढ़ थाना पुलिस ने अवैध ट्रोलियों को जब्त किया।

विधायक मलिंगा को कंधों पर बैठाकर रोड शो निकाला

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद बुधवार शाम को उनकी कोरोना रिपोर्ट भी नैगेटिव आ गयी थी। जिसको लेकर गुरुवार को उन्हें जिला अस्पताल धौलपुर से डिस्चार्ज किया। विधायक मलिंगा को डिस्चार्ज की खबर सुनकर उनके समर्थक हजारों की संख्या में जिला चिकित्सालय धौलपुर पहुंच गए और विधायक से मुलाकात की । इस दौरान समर्थकों ने विधायक के पक्ष में जमकर नारेबाजी भी की। इसके अलावा उन्हें कंधे पर बिठाकर आमजन के बीच ले जाया गया और जश्न मनाया। विधायक के डिस्चार्ज होने के बाद उनके द्वारा धौलपुर शहर में एक रोड शो भी निकाला जो शहर के मुख्य मार्गों से निकला। इस दौरान विधायक का जगह-जगह लोगों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

रोड शो जिला चिकित्सालय धौलपुर से शुरू होकर हरदेव नगर, सराय गजरा रोड, लाल बाजार, गांधी पार्क, पैलेस रोड और गुलाब बाग चौराहा होता हुआ जगदीश चौराहे धौलपुर पर जाकर संपन्न हुआ। जहां से विधायक मलिंगा गाड़ियों से अपने काफिले के साथ बाड़ी के लिए रवाना हो गए। रोड शो में विधायक मलिंगा के साथ प्रदेश के राज्य मंत्री राजेंद्र गुढा, एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा, विधायक वाजिब अली, विधायक लाखन मीणा और संदीप यादव भी मौजूद रहे। मलिंगा ने कहा कि साजिश के तहत उन्हें फंसाया गया, लेकिन उन्होंने अपनी गिरफ्तारी देकर कानून की पालना की और उन्हें कानून पर पूरा भरोसा था। यही वजह है कि न्यायपालिका से उन्हें न्याय मिला।

- मलिंगा को हाईकोर्ट से मिली जमानत

बाड़ी विधायक मलिंगा का उनके समर्थकों ने धौलपुर में रोड शो निकाला।

पुलिस के पीछा करने पर गैंगस्टर की कार पत्थर से टकराकर खेत में गिरी

खैरथल, (निसं)। खैरथल थाना पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर गब्बर उर्फ गबरु व नरेश उर्फ नरसी सहित पांच कार सवारों को पीछा करते हुए गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के विरूद्ध हरियाणा व राजस्थान में हत्या, हत्या के प्रयास,फायरिंग, राजकार्य में बाधा, हमले के करीब आधा दर्जन से अधिक संगीन मुकदमे सीमावर्ती हरियाणा के बावल व राजस्थान के मुंडावर थाना में दर्ज है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा नंबर वाली एक कार में सवार होकर बीबीरानी की ओर से हरसौली की तरफ आने की इतला पर खैरथल में पेहल मोड पर नाकाबंदी की गई थी जहां आरोपी नाकाबंदी तोड़ कर मातौर की तरफ भागे जिस पर पुलिस ने पीछा किया तब शाहपुरा के मोड पर सड़क किनारे पत्थर से टायर के टकराने पर कार असंतुलित होकर खेतों में जाकर पलट गई।

पुलिस ने उक्त कार मे सवार गब्बर जाट व नरेश उर्फ नरसी जाट व उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया। पांचों बदमाशों को राजकार्य में बाधा पहुंचाने पर गिरफ्तार किया गया व क्षतिग्रस्त कार को जप्त किया गया। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से पुलिस अभिरक्षा में सौंपा गया।

पकडे गए आरोपियों गब्बर उर्फ गबरू पुत्र रिसाल सिंह जाट निवासी प्राणपुरा पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाणा नरेश उर्फ नरसी पुत्र शुभराम जाट निवासी सुबासेडी पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाण लोकेश पुत्र किरोडीमल जाति जाट निवासी सुबासेडी पुलिस थाना बावल रेवाडी हरियाणा।सुमित पुत्र प्रकाश जाट निवासी प्राणपुरा पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाणा अशोक कुमार पुत्र लख्मीचंद जाति जाट निवासी टोकसवाडा मोहल्ला वार्ड नं. 13 कोटकासिम पुलिस थाना कोटकासिम जिला भिवाडी अलवर है।

चंबल के बीहड़ों में रेल पटरियों के बीच बुजुर्ग का शव मिला

धौलपुर, (निसं)। रेल फाटक धौलपुर से आगे चंबल के बीहड़ों में पटरियों के बीच गुरुवार दोपहर एक बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव मिला है। मालगाड़ी के ड्राइवर की सूचना पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों को बुलाया लेकिन पहचान ना होने पर शव को जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवा दिया। जीआरपी चौकी प्रभारी बनवारी लाल ने बताया कि जेल फाटक से आगे चंबल के बीहड़ों में पटरियों के बीच एक बुजुर्ग का शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे। शव की आसपास के लोगों से पहचान कराई गई, लेकिन कोई पहचान नहीं पाया। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग के शव के पास से एक लकड़ी का बेंत और पानी की बोतल मिली है, जिसको लेकर बुजुर्ग के आसपास के क्षेत्र का किसान होने की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत होना लग रहा है। लेकिन फिर भी हर पहलू से घटना की जांच की जा रही है।

- शव के पास से एक लकड़ी का बेंत और पानी की बोतल मिली
- बुजुर्ग के आसपास के क्षेत्र का किसान होने की संभावना जताई

भूमि रूपान्तरण करने की एवज में पटवारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर ईकाई ने भूमि रूपान्तरण करने के एवज में परिवादी से 28 हजार रूपये रिश्वत लेने वाले बांसवाड़ा नागावाड़ा हल्का पटवारी को गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेश भगवानलाल सोनी ने बताया कि एसीबी की उदयपुर ईकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि भूमि का कृषि भूमि से आबादी में रूपान्तरण करने की एवज में पटवारी हल्का नागावाड़ा बांसवाड़ा अतिरिक्त चार्ज नाल तहसील बागीदौरान बांसवाड़ा परमेश्वर सोलकी द्वारा 40 हजार रूपये रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है।

इस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल एवं पुलिस अधीक्षक राजीव पचार के सुपरविजन में एसीबी चित्तौड़गढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रमसिंह द्वारा शिकायत कर सत्यापन किया गया। इस पर गुरूवार को इस पर एसीबी ब्यूरों उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा के नेतृत्व में निरीक्षक डॉ.सोनू शेखावत के नेतृत्व में गठित दल ने बांसवाड़ा में ट्रेप कार्यवाही करते हुए पटवारी छीछ तहसील बागीदौरान बांसवाड़ा हॉल पटवारीहल्का नागावाड़ा अतिरिक्त चार्ज नाल तहसील बागीदौरा जिला बांसवाड़ा परमेश्वर सोलंकी पुत्र वालसिंह सोलकी को परिवादी से 28 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि आरोपी पटवारी द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी से 12 हजार रूपये रिश्वत राशी वसूल कर ली थी। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी पटवारी से पूछताछ एवं उसके मकान व अन्य ठिकानों पर तलाशी की जा रही है।

आरोपी परमेश्वर सोलंकी।

- 28 हजार रुपये की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 21 से

भीलवाडा, (निसं)। राजस्थान प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती 2021-22 अन्तर्गत गैर अनुसूचित क्षेत्र में अध्यापक, लेवल-प्रथम, सामान्य शिक्षा व विशेष शिक्षा के पदों हेतु अस्थाई (प्रोविजनल) चयनित अभ्यर्थियों लेवल-प्रथम के सामान्य शिक्षक तथा लेवल प्रथम के विशेष शिक्षक अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 21 व 22 मई को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक काउंसलिंग स्थल राजेन्द्र मार्ग भीलवाड़ा में आयोजित की जावेगी।

- राजेन्द्र मार्ग भीलवाड़ा में आयोजित होगी काउंसलिंग

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक योगेश चन्द्र पारीक ने बताया कि नव चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग हेतु पंजीयन प्रात: 8.30 बजे से 10 बजे तक किया जावेगा। काउन्सलिंग में संबंधित अभ्यर्थी को अपने मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र तथा उसकी एक छाया प्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। सर्वप्रथम दिनांक 21 मई, 2022 को लेवल प्रथम के दिव्यांग (महिला/पुरुष)/ विधवा/ परित्यक्ता/ सामान्य महिला अभ्यर्थी तथा 22 मई, 2022 को सामान्य पुरूष अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सम्पादित की जावेगी।

हॉलीवुड सुपर हीरो के साथ मूवी में दिखेंगे लक्ष्मणगढ़ सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स

फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री में 300 बच्चों को मौका मिला है

अलवर, (निसं)। हॉवीवुड सुपर हीरो हॉक आई (जेरेमी रेनर) के साथ मूवी में राजस्थान के स्टूडेंट्स दिखेंगे। ये स्टूडेंट्स किसी प्राइवेट स्कूल के नहीं हैं, बल्कि अलवर के लक्ष्मणगढ़ स्थित सरकारी स्कूल के हैं। फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 300 बच्चों को मौका मिला है। 2 स्टूडेंट्स तो बाकायदा एक्टिंग करते हुए दिखेंगे। इसमें अनिल कपूर भी प्रमुख भूमिका में हैं। दरअसल प्रिंसिपल धनमत खान की पहल से बच्चों को मीठा पानी नसीब होने लगा था । पूरे इलाके के पानी में फ्लोराइड है, मीठे पानी के लिए किए गए प्रयास और समस्या को उजागर करने के लिए डॉक्यूमेंट्री बनाई जा रही है। जेरेमी रेनर ने पूरी टीम के साथ अलवर में 3 दिन बिताए। केसरोली फोर्ट में यूनिट रात में रुकती थी। बुधवार शाम 5 बजे टीम यहां से रवाना हो गई। जाते-जाते वो स्कूल प्रबंधन को 80 लाख रुपए का वाटर प्यूरीफायर दे गए।

हॉलीवुड की एवेंजर्स सीरीज के सुपर हीरो हॉक आई ने बच्चों व प्रिंसिपल से कहा कि वे गोवा की राइटर डॉ. स्वप्निल के जरिए बच्चों की मदद करने को वे हमेशा तैयार रहेंगे । डॉ. स्वप्निल ने ही प्रिंसिपल से संपर्क किया था वे जेरेमी रेनर के सीधे संपर्क में हैं। अलवर के लक्ष्मणगढ स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के 12वीं में पढ़ने वाले रितेश को डॉक्यूमेंट्री में एक्टिंग करने का मौका मिला है।

डॉक्यूमेंट्री में स्कूल की 9वीं क्लास की छात्रा रोशनी फ्लोराइड युक्त पानी के बारे में बताती नजर आएंगी। 12वीं क्लास के स्टूडेंट रितेश के पिता की डेथ का जिक्र भी आएगा। फिलहाल डॉक्यूमेंट्री को लेकर ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। फिल्म में प्रिंसिपल धनमत खान भी नजर आएंगे। डॉक्यूमेंट्री की यूनिट में अमेरिका के कैलिफोर्निया की टेक्निकल टीम, कनाडा के एक्टर रॉरी, मुंबई, दिल्ली व गोवा से कलाकार और तकनीशियन आए थे। पानी को लेकर बनने वाली डॉक्यूमेंट्री के लिए राजस्थान में काफी समय से लोकेशन की तलाश की जा रही थी। सिरोही-पाली तक भी टीम के सदस्य गए थे। लक्ष्मणगढ की यह स्कूल पूरी टीम को पसंद आई। सरकारी स्कूल पुराने किलेनुमा भवन में चल रहा है। ग्रामीण इलाका है। दिल्ली से यह इलाका करीब भी था।

वॉलीवुड स्टार अनिल कपूर के साथ नजर आए स्कूली बच्चे।

हथियार दिखाकर स्वर्ण व्यवसायी से हुई लूट व डकैती वारदात का खुलासा

- मास्टर माइंड सहित चार आरोपी गिरफ्तार, एक आरोपी फरार
- पुलिस वारदात में इस्तेमाल कार, दो नंबर प्लेट सहित एटीएम कार्ड बरामद

अजमेर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को 13 मई को पीसांगन पुलिस थाना क्षेत्र के गांव करनौस में हुई स्वर्ण व्यापारी के साथ हथियारों की नोंक पर लूट व डकैती की वारदाता का खुलासा किया है। मामले में जिला पुलिस व पीसांगन पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए मास्टर माइंड सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक बिना नंबरी स्कॉडा कार व दो अलग अलग नबरों की नंबर प्लेट व एक एटीएम कार्ड जब्त किया है।

अजमेर की पींसागन पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 13 मई को पीसांगना पुलिस थाना क्षेत्र के गांव करनौस में स्वर्ण व्यवसायी कमल किशोर सोनी के साथ हथियार की नोंक पर लूट व डकैती की वारदात हुई। मामले में स्वर्ण व्यवसायी सोनी ने पीसांगन थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस में दी शिकायत में सोनी ने बताया कि प्रतिदिन की तरह 13 मई को शाम साढ़े सात बजे दुकान मंगल कर अपनी कार बेगानार से ब्यावर जाने के लिए निकला साथ में उनका पुत्र कौशल सोनी व मुनिम रामचंद्र माली थे। थोरिया रामगढ़ से बाबर रोड नेमीचंद कुमावत के मान से पहले पहुंचा तभी पीछे कच्चे रास्ते से एक कार आई और उनकी गाड़ी के आगे लगा दी, कार में सवार 5 व 6 लोग नीचे उतर और लकड़ी के डंडे से मारपीट करने लगे तथा गाड़ी में तोडफ़ोड़ कर रिवाल्वर और चाकू दिखा गाड़ी से बाहर निकाल लिया हमारे साथ मारपीट करने लगे और सोने चांदी के जेवरात (करीब 17-20 किलो चांदी, 300 ग्राम सोना तथा 1 लाख 76 हजार रुपए की नकदी) रखे बैग के साथ तिजोरी व दुकान की चाबी तथा मोबाइल छिन कर कार में बैठ कर फरार हो गए। पीसांगना थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी।

एडिशनल एसपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी बावरी गैंग के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि एसपी शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण वैभव शर्मा के सुपरविजन में पुलिस उप अधीक्षक वृत्त ग्रामीण शमशेर खान के नेतृत्व में आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीम का गठन किया। टीम द्वारा तरीका वारदात के आधार पर पूर्व में चालानशुदा आरोपियों का डाटाबेस तैयार कर सभी से पूछताछ की गई। टीम द्वारा वारदात के घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्राम करनौस से ब्यावर रोड तक के आसपास के सीसीटीवी कैमरों का बरीकी से निरीक्षण कर घटना में प्रयुक्त वाहन का रुट का विश्लेषण किया और मुखबीर की सूचना और तकनीकी सुचनाओं के आधार पर जिला स्पेशल टीम के हैड कानि. देवेंद्र सिंह, आशीष गहलोत व मगनगंज थाने के कानि. सीताराम व विनोद को मिली सूचना पर थानाधिकारी पीसांगन व टीम द्वारा दबिश देते हुए मास्टर माइंड सहित चार आरोपियों को वारदात में इस्तेमाल कार सहित गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तर आरोपियों में मास्टर माइंड हुक्काराम पुत्र प्रभुराम निवासी सैंसडा थाना पादुकलां जिला नागौर, पुष्कर निवासी महेंद्र पुत्र भागचंद रावत, अजय उर्फ सन्नी पुत्र हेमाराम माली व पादुकलां निवासी सुशील पुत्र बन्नाराम बावरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बिना नंबरी स्कॉडा कार, जिसके अंदर दो अलग अलग नंबरों की नंबर प्लेटे व एक एटीएम कार्ड बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से लूटी गई रकम, सोने चांदी के आभूषण एवं घटना में प्रयुक्त हथियार व कार के संबंध में अनुसंधान जारी है तथा एक अन्य फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित की गई जिला स्पेशल टीम में मदनगंज थानाधिकारी नेमीचंद, उनि जिला अजमेर विजय सिंह, जिला स्पेशल टीम के हैड कांनि देवेंद्र सिंह व आशीष गहलोत विशेष योगदान, जोगेंद्र सिंह, सुनील मील, हिम्मत तोषिक, प्रवीण, गजेंद्र, मदनगंज थाने के सीताराम व विनोद (विशेष योगदान) सहित पुलिस थाना पीसांगन टीम में थानाधिकारी नरपत रामबाना, सउनि हजारीलाल, सुरेंद्र कुमार, हैड कानि. गणेशराम, कानि. कुशाल, प्रकाश, शोबााम, मुकेश, सुशील, प्रेमसुख, रामकुवार, लोकेश व जसरात शामिल थे।

पर्यटन इकाईयों को मिलेगें एन्टाईटलमेंट प्रमाण पत्र

अजमेर, (कासं)। संभाग की पर्यटन इकाईयों को स्थानीय पर्यटक स्वागत केंद्र द्वारा एन्टाईलमेंट प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक संजय जौहरी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा के माध्यम से पर्यटन एवं हॉस्पिटीलिटी क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में मान्यता दी गई है। इस कारण इन पर उद्यम क्षेत्र के अनुसार ही प्रावधान लागू होंगे। इनमें होटल एवं मोटल, हैरिटेज होटल, बजट होटल, रेस्टोरेन्ट या कैफेटेरिया, रिसोर्ट, स्पोटर्स रिसोर्ट, हैल्थ रिसोर्ट स्पा, कैम्पिंग साइट, अम्यूजमेन्ट पार्क, एनिमल सफारी पार्क, एमआईसीई कन्वेन्शन सेन्टर, म्युजियम, रोप-वे, ट्यूरिस्ट लग्जरी कोच, कैरावेन, क्रूज ट्यूरिज्म, राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना में प्रस्तावित इकाइ्यां, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त पर्यटन इकाइ्यां, मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त पर्यटन इकाइ्यां, राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड और राजस्थान राज्य होटल निगम के अधिकारी क्षेत्र की पर्यटन इकाईयां तथा केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के अधीन समस्त राजकीय संग्रहालय शामिल है। उन्होंने बताया कि पर्यटन इकाईयों को औद्योगिक लाभ के लिए एन्टाईटलमेंट प्रमाण पत्र लेना होगा।

वक्फ जायदाद को मुक्त कराने की मांग

भीलवाडा, (निसं)। स्थानीय गुलजी पीर दरगाह से दारुल उलूम के बीच वाले भूभाग पर षड्यंत्र कर दाई हलीमा हॉस्पिटल बनाने और इस वक्फ जायदाद पर नाजायज तरीके से अपना आधिपत्य जमाने का आरोप लगाने वाले और स्वयं को असली वारिसान और मुतावली कहने वाले परिवार के सदस्यों ने वक्फ जायदाद को मुक्त कराने के लिए 23 मई को जयपुर वक्फ बोर्ड के समक्ष धरना देने का ऐलान किया है। सदस्यों ने लिखित ज्ञापन भेज कर इस वक्फ जायदाद को मुक्त कराने की मांग की है।

भारत सरकार Government of India
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय Ministry of Environment, Forest & Climate Change
एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर Integrated Regional Office, Jaipur

ए218 & बी 216 "अरण्य भवन" झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर-302004/ A-218 & B-216, ARANYA BHAWAN, JHALANA INSTITUTIONAL AREA, JAIPUR-302004 दूरभाष/Tel No: 0141-2713858, 2713786 Email: iro.jaipur-mefcc@gov.in

पत्र संख्या-8बी/राज0052022-JPR | दिनांक: 21st February, 2022

सेवामें, शासन सचिव(वन), सिविल सचिवालय, राजस्थान शासन, जयपुर, राजस्थान।

(Online Proposal No: FP/RJ/Pipeline/147391/2021)

विषय: Diversion of 3.4384 ha. forest land for Laying of Underground of 8"/12" Dia Carbon Steel Gas Pipeline Along the NH-8 Road Within the Existing Row from CGS Daulat khera (CGS) to Beawar on L.H.S.(Length 35.200Km) in District-Ajmer (Rajasthan) in favour of Indraprastha Gas Limited. सन्दर्भ: शासन सचिव, राजस्थान का पत्रांक-प.1(3)वन/2022, जयपुर, दिनांक-24.01.2022. महोदय, उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र का आशय ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा प्रश्नगत प्रकरण में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 की धारा (2) के अन्तर्गत भारत सरकार की स्वीकृति मांगी गयी थी। प्रकरण के परीक्षणोपरान्त केन्द्र सरकार उपरोक्त विषयांकित परियोजना हेतु 3.4384 हे0 वनभूमि के प्रत्यावर्तन एवं बिना वृक्षों के पातन की सैद्धान्तिक स्वीकृति (In-principle/Stage-I approval) निम्नलिखित शर्तों पर प्रदान करती है: **A: Conditions which needs to be complied prior to handing over of forest land by the State Forest Department:** 1. The cost of compensatory afforestation at the prevailing wage rates as per compensatory afforestation scheme and the cost of survey, demarcation and erection of permanent pillars if required on the CA land shall be deposited in advance with the Forest Department by the project authority. The CA will be maintained for 10 years. The scheme may include appropriate provision for anticipated cost increase for works scheduled for subsequent years. 2. The State Government shall charge the Net Present Value (NPV) for the 3.4384 ha forest area to be diverted under this proposal from the User Agency as per the orders of the Hon'ble Supreme Court of India dated 30/10/2002, 01/08/2003, 28/03/2008, 24/04/2008 and 09/05/2008 in IA No. 566 in WP (C) No. 202/1995 and as per the guidelines issued by the Ministry vide letters No. 5-1/1998-FC (Pt.II) dated 18/09/2003, as well as letter No. 5-2/2006-FC dated 03/10/2006 and 5-3/2007-FC dated 05/02/2009 and revision of NPV vide Ministry letter No. 5-3/2011-FC(Vol-1) dated 06.01.2022 in this regard. 3. Additional amount of the NPV of the diverted forest land, if any, becoming due after finalization of the same by the Hon'ble Supreme Court of India on receipt of the report from the Expert Committee, shall be charged by the State Government from the User Agency. The User Agency shall furnish an undertaking to this effect. 4. The complete compliance of the FRA, 2006 shall be ensured by way of prescribed certificate from the concerned District Collector. 5. The boundary of the diverted forest land shall be suitably demarcated on ground at the project cost, as per the direction of concerned Divisional Forest Officer. 6. The KML file of the area to be diverted and the CA areas shall be uploaded on the e-Green watch portal with all requisite details, before issuing working permission towards linear projects or submitting compliance report for seeking Stage-II approval, as the case may be. 7. All the funds received from the user agency under the project shall be transferred/ deposited to CAMPA fund only through e-portal. **B: Conditions which needs to be strictly complied on field after handing over of forest land to the User Agency by the State Forest Department but the compliance in form of undertaking shall be submitted prior to Stage-II approval:** 1. Legal status of the forest land shall remain unchanged. 2. Forest land will be handed over to the User Agency only after required non-forest land for the project is handed over to the User Agency. 3. Compensatory afforestation shall be taken up by the Forest Department over 10.00 ha de-graded forest land, Compartment No. 45j/14 in Village - Mandawariya, TehsilKishangarh, District- Ajmer of Rajasthan at the cost of the user agency. As far as possible, a mixture of local indigenous species shall be planted and mono-culture of any species may be avoided. 4. The Pipeline shall be laid down 1.5 meter below the ground and after lying down of pipeline the ground will be leveled. 5. No tree felling shall be involved in the implementation of this project. 6. No damage to the flora and fauna of the adjoining area shall be caused. 7. The layout plan of the proposal shall not be changed without prior approval of Central Government. 8. No labour camp shall be established on the forest land. 9. Sufficient firewood, preferably the alternate fuel, shall be provided by the User Agency to the labourer after purchasing the same from the State Forest Department or the Forest Development Corporation or any other legal source of alternate fuel. 10. The boundary of the diverted forest land shall be suitably demarcated on ground at the project cost, as per the directions of the concerned Divisional Forest Officer. 11.No additional or new path will be constructed inside the forest area for transportation of construction materials for execution of the project work. 12. The period of diversion under this approval shall be co-terminus with the period of lease to be granted in favour of the user agency or the project life, whichever is less. 13. The forest land shall not be used for any purpose other than that specified in the project proposal. 14. The forest land proposed to be diverted shall under no circumstances be transferred to any other agencies, department or person without prior approval of Govt. of India. 15. The User Agency shall submit the annual self compliance report in respect of the above stated conditions to the State Government and Integrated Regional Office, Jaipur by the end of March every year. 16.The User Agency shall comply with all the provisions of the all Acts, Rules, Regulations, Guidelines, Hon'ble Court Order (s) and NGT Order (s) pertaining to this project, if any, for the time being in force, as applicable to the project. 17. Violation of any of these conditions will amount to violation of Forest (Conservation) Act, 1980 and action would be taken as per the MoEF&CC Guideline F. No 1142/2017-FC dt 29/01/2018. 18. Any other condition that the Ministry of Environment, Forests & Climate Change may stipulate from time to time in the interest of conservation, protection and development of forests & wildlife. 19. The compliance report shall be uploaded on e-portal (https://parivesh.nic.in/). After receipt of compliance report on fulfillment of all of the above conditions from the State Government, proposal will be considered for Final/Stage-II approval under Section2 of the Forest (Conservation) Act, 1980. The User Agency shall take up the work as per the guidelines in force and after ensuring that all necessary clearances for the entire stretch are in place. Working permission, if any issued, shall be intimated to IRO, Jaipur. Transfer of forest land shall not be effected till Final/Stage-II approval is granted by the Central Government in this regard. Further, it may also be noted that this In-principle / Stage-I approval shall be valid for a period of 5 years from the date of issue of this letter. In the event of non-compliance of the above conditions, this In-principle approval shall be revoked after five (05) years.

भवदीय, (श्रवण कुमार वर्मा), उप महानिरीक्षक/क्षेत्रीय अधिकारी

रेलवे ने बदली टेंडर प्रक्रिया, अब ई-नीलामी से होंगे टेंडर

अजमेर, (निसं)। रेलवे में टेंडर (ठेका) की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने, सरलीकरण करने, विवादों से बचने जैसे कई फायदों वाली ई ऑक्शन यानी ई-नीलामी की प्रक्रिया को अपनाया जा रहा है।

अब रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार अजमेर मंडल पर भी रेल प्रशासन द्वारा वाणिज्यिक आय और गैर किराया राजस्व संबंधित अनुबंधों जैसे पार्किंग, एसएल आर लीजिंग, पब्लिसिटी आदि को ई-ऑक्शन के माध्यम से पूरा करने का निर्णय लिया गया है। इस ऑनलाइन व्यवस्था से वाणिज्य विभाग के इन मदों से सम्बंधित ठेके की प्रणाली अब तेज और पारदर्शी हो गई है। इसके लिए एक पोर्टल शुरू किया गया है। इंडियन रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) नामक प्रणाली के जरिए संबंधित निविदाओं की प्रक्रिया को अब ऑनलाइन नीलामी (बोली) के माध्यम से पूरा किया जायेगा। अब ये निविदाएं ऑनलाइन देखी व भरी जा सकती है। इनका मूल्यांकन व परिणाम भी ऑनलाइन संभव है ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विवेक रावत के अनुसार वाणिज्य विभाग के पार्किंग, एसएल आर लीजिंग, पब्लिसिटी आदि के ई.ऑक्शन से टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी।

जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

- संभागीय आयुक्त मेहरा ने जनसुनवाई का निरीक्षण किया

अजमेर, (कासं)। जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक तथा जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन गुरूवार को कलक्ट्रेट स्थित डीओआईटी वीसी रूम में हुआ। संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा ने इसका निरीक्षण किया। किशनगढ़ विधायक सुरेश टांक ने सतर्कता समिति में दर्ज प्रकरणों के निस्तारण के सम्बन्ध में जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ चर्चा की।

संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा ने आमजन को राहत पंहुचाने के लिए जनसुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए है।

संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा ने कहा कि राज्य सरकार ने आमजन को राहत पंहुचाने के लिए जनसुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए है। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को जनसुनवाई में उपस्थित रहना आवश्यक है। साथ ही ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जनसुनवाई में भाग लेंगे। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए। इसे गंभीरता से नहीं लेने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में उपस्थित नहीं रहने वाले विभागीय अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। इसी तरह राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के प्रति उदासीनता दिखाने वाले अधिकारियों पर भी कार्यवाही की जाएगी। पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों को गलत विभाग के पास हस्तांतरित करने वाले अधिकारियों को चिन्हित कर कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आमजन के दु:ख दर्द को दूर करना सवोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आमजन को राहत पहुंचाने के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को सीधी मॉनिटरिंग करनी चाहिए। इससे सरकार द्वारा जनहित में किए जाने वाले कार्यों से अधिकतम व्यक्ति लाभान्वित होंगे। सार्वजनिक निर्माण विभाग जनता से सीधा जुड़ा हुआ रहता है। इसलिए विभाग के अधिकारियों के मोबाईल नम्बर भी सार्वजनिक रूप से जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में आने वाले प्रकरणों को पंजीकृत कर हाथों-हाथ निस्तारित करने की दिशा में कार्य करने से जनसुनवाई की सार्थकता है। यह कार्य विभागीय अधिकारियों तथा पीड़ित व्यक्ति के एक स्थान पर होने पर आसानी से किया जा सकता है। जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों को अपने कार्यालय में नियमित दैनिक जनसुनवाई भी करनी चाहिए। दैनिक जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों का पंजीकरण अवश्य किया जाए। इन शिकायतों का निस्तारण कर देने से उच्च स्तर पर न्यूनतम शिकायतें ही आएगी। मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर ध्यान देने से शिकायतों की संख्या में कमी आती है।

जिला कलैक्टर अंश दीप ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान 30 प्रकरणों को सुना गया। इन पर त्वरित कार्यवाही के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इन प्रकरणों के निस्तारण के साथ ही परिवादी को दुरभाष के माध्यम से कार्यवाही की सूचना दी जाएगी। इसी प्रकार जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक में 18 प्रकरणों पर चर्चा की गई। इनमें से 2 प्रकरण निस्तारित किए गए। पुष्कर में सिवायचक भूमि के खसरों पर से अतिक्रमण परिवादी की उपस्थिति में आगामी 15 दिन में हटाए जाएंगे। लोहारवाड़ा के पनघट एवं माताजी के रास्ते पर अतिक्रमण की मौका जांच अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम द्वारा परिवादी की उपस्थिति में किया जाकर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। लोहारवाडा में सरपंच द्वारा चबूतरी तोड़ने के प्रकरण के सम्बन्ध में गुरूवार शाम 5 बजे विकास अधिकारी द्वारा मौका निरीक्षण किया जाएगा। गोविंदगढ़ में सार्वजनिक भूमि पर अवैध निर्माण के सम्बन्ध में फोटोग्राफी के साथ उपखण्ड एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के द्वारा परिवादी की उपस्थिति में 15 दिनों में रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर कैलाश चंद्र शर्मा एवं भावना गर्ग, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुरारी लाल वर्मा, जिला रसद अधिकारी हेमंत स्वरूप माथुर एवं उपखण्ड अधिकारी महावीर सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भारत सरकार Government of India
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय Ministry of Environment, Forest & Climate Change
एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर Integrated Regional Office, Jaipur

ए218 & बी 216 "अरण्य भवन" झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर-302004/ A-218 & B-216, ARANYA BHAWAN, JHALANA INSTITUTIONAL AREA, JAIPUR-302004 दूरभाष/Tel No: 0141-2713858, 2713786 Email: iro.jaipur-mefcc@gov.in

पत्र संख्या-8बी/राज009/2022-JPR | दिनांक: 07th March, 2022

सेवामें, शासन सचिव(वन), सिविल सचिवालय, राजस्थान शासन, जयपुर, राजस्थान।

(Online Proposal No: FP/RJ/Pipeline/147451/2021)

विषय: Diversion of 3.50 ha. forest land in favour "Laying of Under ground of 8"/12" Dia Carbon Steel Gas Pipeline Along the NH-8 Road Within the Existing Row from Tapping Point NH-8 Jaipur - Ajmer- Bypass Tiraha at Gagwana to Mangliyawas Tapping Point (Length 35.00 Km) in District - Ajmer (Rajasthan) by Indraprastha Gas Limited. सन्दर्भ: शासन सचिव, राजस्थान का पत्रांक-प.1(5)वन/2022, जयपुर, दिनांक-27.01.2022. महोदय, उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र का आशय ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा प्रश्नगत प्रकरण में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 की धारा (2) के अन्तर्गत भारत सरकार की स्वीकृति मांगी गयी थी। प्रकरण के परीक्षणोपरान्त केन्द्र सरकार उपरोक्त विषयांकित परियोजना हेतु 3.50 हे0 वनभूमि के प्रत्यावर्तन एवं बिना वृक्षों के पातन की सैद्धान्तिक स्वीकृति (In-principle/Stage-I approval) निम्नलिखित शर्तों पर प्रदान करती है: **A: Conditions which needs to be complied prior to handing over of forest land by the State Forest Department:** 1. The cost of compensatory afforestation at the prevailing wage rates as per compensatory afforestation scheme and the cost of survey, demarcation and erection of permanent pillars if required on the CA land shall be deposited in advance with the Forest Department by the project authority. The CA will be maintained for 10 years. The scheme may include appropriate provision for anticipated cost increase for works scheduled for subsequent years. 2. The State Government shall charge the Net Present Value (NPV) for the 3.50 ha forest area to be diverted under this proposal from the User Agency as per the orders of the Hon'ble Supreme Court of India dated 30/10/2002, 01/08/2003, 28/03/2008, 24/04/2008 and 09/05/2008 in IA No. 566 in WP (C) No. 202/1995 and as per the guidelines issued by the Ministry vide letters No. 5-1/1998-FC (Pt.II) dated 18/09/2003, as well as letter No. 5-2/2006-FC dated 03/10/2006 and 5-3/2007-FC dated 05/02/2009 and revision of NPV vide Ministry letter No. 5-3/2011-FC(Vol-1) dated 06.01.2022 in this regard. 3. Additional amount of the NPV of the diverted forest land, if any, becoming due after finalization of the same by the Hon'ble Supreme Court of India on receipt of the report from the Expert Committee, shall be charged by the State Government from the User Agency. The User Agency shall furnish an undertaking to this effect. 4. The complete compliance of the FRA, 2006 shall be ensured by way of prescribed certificate from the concerned District Collector. 5. The boundary of the diverted forest land shall be suitably demarcated on ground at the project cost, as per the direction of concerned Divisional Forest Officer. 6. The KML file of the area to be diverted and the CA areas shall be uploaded on the e-Green watch portal with all requisite details, before issuing working permission towards linear projects or submitting compliance report for seeking Stage-II approval, as the case may be. 7. All the funds received from the user agency under the project shall be transferred/ deposited to CAMPA fund only through e-portal. **B: Conditions which needs to be strictly complied on field after handing over of forest land to the User Agency by the State Forest Department but the compliance in form of undertaking shall be submitted prior to Final/Stage-II approval:** 1. Legal status of the forest land shall remain unchanged. 2. Forest land will be handed over to the User Agency only after required non-forest land for the project is handed over to the User Agency. 3. Compensatory afforestation shall be taken up by the Forest Department over 10.00 ha de-graded forest land, Survey No. 45j/14, Mandavariya, Tehsil- Kishangarh, DistrictAjmer of Rajasthan at the cost of the user agency. As far as possible, a mixture of local indigenous species shall be planted and mono-culture of any species may be avoided. 4. No tree felling shall be involved in the implementation of this project. 5. The Pipeline shall be laid down 1.5 meter below the ground and after lying down of pipeline the ground will be leveled. 6. No damage to the flora and fauna of the adjoining area shall be caused. 7. The layout plan of the proposal shall not be changed without prior approval of Central Government. 8. No labour camp shall be established on the forest land. 9. Sufficient firewood, preferably the alternate fuel, shall be provided by the User Agency to the labourer after purchasing the same from the State Forest Department or the Forest Development Corporation or any other legal source of alternate fuel. 10. The boundary of the diverted forest land shall be suitably demarcated on ground at the project cost, as per the directions of the concerned Divisional Forest Officer. 11.No additional or new path will be constructed inside the forest area for transportation of construction materials for execution of the project work. 12. The period of diversion under this approval shall be co-terminus with the period of lease to be granted in favour of the user agency or the project life, whichever is less. 13.The forest land shall not be used for any purpose other than that specified in the project proposal. 14. The forest land proposed to be diverted shall under no circumstances be transferred to any other agencies, department or person without prior approval of Govt. of India. 15. The User Agency shall submit the annual self compliance report in respect of the above stated conditions to the State Government and Integrated Regional Office, Jaipur by the end of March every year. 16.The User Agency shall comply with all the provisions of the all Acts, Rules, Regulations, Guidelines, Hon'ble Court Order (s) and NGT Order (s) pertaining to this project, if any, for the time being in force, as applicable to the project. 17. Violation of any of these conditions will amount to violation of Forest (Conservation) Act, 1980 and action would be taken as per the MoEF&CC Guideline F. No. 11 42/2017-FC dt 29/01/2018. 18.Any other condition that the Ministry of Environment, Forests & Climate Change may stipulate from time to time in the interest of conservation, protection and development of forests & wildlife. 19. The compliance report shall be uploaded on e-portal (https://parivesh.nic.in/). After receipt of compliance report on fulfillment of all of the above conditions from the State Government, proposal will be considered for Final/Stage-II approval under Section2 of the Forest (Conservation) Act, 1980. The User Agency shall take up the work as per the guidelines in force and after ensuring that all necessary clearances for the entire stretch are in place. Working permission, if any issued, shall be intimated to IRO, Jaipur. Transfer of forest land shall not be effected till Final/Stage-II approval is granted by the Central Government in this regard. Further, it may also be noted that this In-principle / Stage-I approval shall be valid for a period of 5 years from the date of issue of this letter. In the event of non-compliance of the above conditions, this In-principle approval shall be revoked after five (05) years.

भवदीय, (श्रवण कुमार वर्मा), उप महानिरीक्षक/क्षेत्रीय अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ./एम.बी./22-23/416 | दिनांक : 19.05.2022

आपत्ति सूचना

श्री बंशीलाल अग्रवाल पुत्र स्व. श्री मदनगोपाल अग्रवाल निवासी म.नं. 22/292 प्लाजा सिनेमा रोड अजमेर हाल निवासी आनासागर सरक्यूलर रोड, अजमेर द्वारा एक सम्पत्ति संख्या 04 जो खसरा नं. 311 थोक तेलियान का भाग है जो वाके आनासागर सरक्यूलर रोड अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 221.82 ब.मी. भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानसार है।

पूर्व : आनासागर सरक्यूलर रोड | पश्चिम : भूखण्ड संख्या 2
उत्तर : अन्य की सम्पत्ति | दक्षिण : भूखण्ड संख्या 3

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर पालिका गुलाबपुरा (भीलवाडा)

क्रमांक : तामीरात/502 | दिनांक : 19.5.22

उजरदारी नोटिस

श्री विनोद कुमार त्रिपाठी पिता श्री नाथूलाल निवासी गुलाबपुरा वार्ड नम्बर महेश कालोनी भू.सं. 05 का पूर्वी हिस्सा माप 5x50, आदर्श नगर कालोनी व भू.सं. 06 माप 25x50 द्वारा पालिका कार्यालय में भवन निर्माण स्वीकृति हेतु/भूखण्ड हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: इस सूचना पत्र के माध्यम से सार्वजनिक सूचना प्रसारित की जाती है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त भवन निर्माण स्वीकृति/भूखण्ड हस्तान्तरण के संबंध में कोई आपत्ति हो तो लिखित रूप में मय दस्तावेजी प्रमाणों को संलग्न करते हुए एक सप्ताह की अवधि में प्रस्तुत कर दें। उक्त अवधि के पश्चात कोई आपित्त मान्य नहीं होगी। पत्रावली एवं दस्तावेजो का निरीक्षण कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस के समय देखा जा सकता है।

पडौस विवरण
पूर्व : प्लाट सं. 07 स्थित | पश्चिम : प्लाट सं. 05 का due part
उत्तर : प्लाट सं. 17 स्थित | दक्षिण : 30 मीटर रोड स्थित

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका, गुलाबपुरा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी (अधिशाषी अधिकारी) नगर पालिका, आसीन्द जिला-भीलवाड़ा (राज.)

क्रमांक:-न.पा.आ./लोकसूचना/69-ए/2022-23/666 | दिनांक- 18-5-2022

प्रारूप-5 (नियम 6 (2) देखिए

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69-क के अधीन नीचे वर्णित आवेदकों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपनी भूमि में अपने अधिकार आवासीय/व्यावसायिक पट्टा प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिए नगरपालिका आसीन्द के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये हैं।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	उत्तर दिशा दिर्शित करते हुए लम्बाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (वर्ग फिट में)
1.	श्रीमती अन्नु देवी राम लाल शर्मा	वार्ड नं. 24 झोगियो की जोपड़िया आसीन्द	राधेश्याम शर्मा का मकान	श्रीमती सीता देवी पत्नि शान्तीलाल	श्री विनोद मेवाड़ा का मकान	आम रास्ता	1731 वर्गफिट

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69-क के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत अवधि के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा/निस्तारण किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गयी। (**मनीष कुमार सांगेला**) **प्राधिकृत अधिकारी अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, आसीन्द**

SBI भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India

तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, तृतीय मंजिल, मैट्रिक्स मॉल सेक्टर-4, जवाहर नगर, जयपुर (राजस्थान)- 302004
ई-मेल: sbi.18184@sbi.co.in, शाखा कोड: 18184
फोन: 0141-2657811, 2657921, 2657926, 2657989

"परिशिष्ट-IV-क" {नियम 8(6) का परन्तुक देखें}

अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

प्रतिभूत हित (प्रर्वतन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधकशुदा है, का वास्तविक कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहां है", " जैसी है", और "जो कुछ भी है" और "दायित्व रहित"** के आधार पर ऋणी **मैसर्स वीनस एन्टरप्राईजेज प्रो. श्रीमती ज्योति भोजवानी पत्नी श्री जगदीश भोजवानी, गारन्टर श्री दीपक चैनानी पुत्र स्व. श्री विष्णु चैनानी से भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा (एसएआरबी), जयपुर (राज.)**, प्रतिभूत लेनदार की **रू. 40,78,118.82 अक्षरे चालीस लाख अट्ठहत्तर हजार एक सौ अट्ठारह रूपये एवं बियासी पैसा मात्र दिनांक 28.02.2017** तक ब्याज शामिल करते हुए तथा इसके आगे का ब्याज व अन्य खर्चे की वसूली हेतु **दिनांक 10.06.2022** को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य और अग्रिम राशि निम्न तालिका अनुसार होगी। धरोहर राशि बैंक/एमएसटीसी की वैब साइट पर दी गई प्रकिया अनुसार **दिनांक 09.06.2022** से पूर्व जमा कराई जा सकती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण	1. आरक्षित मूल्य 2. धरोहर राशि	समय
श्री दीपक चैनानी पुत्र स्व. श्री विश्णु चैनानी की ए.एम.सी. नं. 29/792-बी, पिपली का कुंआ, धोला भाटा, अजमेर, तहसील व जिला-अजमेर (राज.) स्थित आवासीय सम्पत्ति (बैंक में उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार क्षेत्रफल 334.75 वर्ग गज) चारो ओर की सीमाएं- पूर्व में- उमेश उपाध्याय की सम्पत्ति, पश्चिम में- श्रीमती तारा देवी की सम्पत्ति, उत्तर में- श्रीमती नाथी देवी की सम्पत्ति, दक्षिण में- रास्ता (पैसेज) एवं श्री भागचन्द की सम्पत्ति	1. रू. 30.67 लाख 2. रू. 3.07 लाख	दोपहर 02:00 से दोपहर 03:00

इच्छुक बोलीदाता एमएसटीसी के पास प्री-बिड ईएमडी की राशि ई-नीलामी बंद होने से पूर्व जमा कर सकते हैं। एमएसटीसी के बैंक खाते में भुगतान की प्राप्ति और ई-नीलामी वेबसाइट में ऐसी जानकारी को अपडेट करने के बाद ही बोलीदाता को प्री-बिड ईएमडी का केडिट दिया जाएगा। इन कार्यवाहियो को अद्यतन/अपडेट होने में बैंकिंग प्रकिया के अनुसार कुछ समय लग सकता है और इसलिए बोलीदाताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है कि अंतिम समय की किसी भी समस्या से बचने के लिए बोली पूर्व ईएमडी राशि पर्याप्त समय रहते जमा करें।

ऋण भार : ज्ञात नहीं

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए **भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा (एसएआरबी), जयपुर (राज.)** प्रतिभूत लेनदार की वेबसाईट अर्थात https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news/auction-notices/sarfaesi-and-others एवं https://ibapi.in/Sale_Info_Home.aspx पर देखें।

दिनांक: 17.05.2022
स्थान: जयपुर (राज.)

हस्ता. प्राधिकृत अधिकारी भारतीय स्टेट बैंक

केटामाइन ड्रग्स मामले में गुजरात क्राईमब्रांच ने पुष्कर में दी दबीश

- एक व्यापारी को पहले ही पुलिस 3 दिन पहले गिरफ्तार कर चुकी है

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में चल रहे नशे के काले कारोबार के खिलाफ गुजरात अहमदाबाद क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुरुवार को पुष्कर में केटामाइन ड्रग्स मामले में मेडिकल संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए गुजरात ले गई।

पुष्कर में चल रहे नशे के काले कारोबार के खिलाफ गुजरात अहमदाबाद क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुरुवार को पुष्कर में केटामाइन ड्रग्स मामले में मेडिकल संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए गुजरात ले गई। एक व्यापारी को पहले ही पुलिस 3 दिन पहले गिरफ्तार कर चुकी है। पुष्कर में कई सालों से केटामाइन का व्यापार चल रहा है।

इस दौरान मामले से जुड़े एक आरोपी के मोतीसर रोड स्थित घर पर क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी की तलाश भी की। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्कर होली का चौक स्थित श्री राम मेडिकल के संचालक दीपक शर्मा को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की पुलिस पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है साथ ही पुष्कर के कुरियर व्यवसाय से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की गई है और उनके पास उपलब्ध डाटा को खंगाला जा रहा है। गौरतलब है कि भारतीय डाक की पार्सल सेवा के जरिए केटामाइन हाइड्रोक्लोराइड ड्रग्स को अमेरिका भेजने के मामले का खुलासा अहमदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच ने किया। इस मामले में अजमेर जिले के पुष्कर निवासी सूर्य प्रकाश उर्फ सोनू गोयल को पूर्व में रविवार को गिरफ्तार कर गुजरात ले जाया गया था। मामले में 590 ग्राम केटामाइन ड्रग्स बरामद की जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 3 करोड रुपए कीमत आंकी गई। आरोपी सोनू ने गुजरात नवसारी जिले के विजलपुर इलाके में रहने वाले अपने मित्र सुरेश यादव को 4 मई को पार्सल भेजा था। जिस पार्सल को मुंबई होते हुए अमेरिका भेजने को कहा गया था। सुरेश ने यह पार्सल अमेरिका भेजने के लिए नवसारी डाकघर से पोस्ट भी कर दिया था । 14 मई को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए पार्सल जप्त किया । इसके बाद 15 मई रविवार को सोनू को पुष्कर से गिरफ्तार किया गया । पुष्कर में केटामाइन ड्रग से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है । इससे पूर्व 4 जनवरी 2020 को दो आरोपी निखिल सोनी और भरत का 280 कांच के शीशियों में केटामाइन बरामद किया गया था। ऐसा नहीं कि पुष्कर में चल रहे इस काले कारोबार की भनक पुष्कर पुलिस को नहीं हो । कारोबार से जुड़े लोगों ने विभिन्न तारीखों पर इन नशे की खाली शीशियों को सरेआम फेकर पुलिस को चुनौती भी पेश कर चुके हैं।

फिलहाल इस मामले मे गुजरात पुलिस नशे के नेटवर्क को खंगालने में लगी है। आरोपियों से हो रही पूछताछ के बाद पुष्कर में और गिरफ्तारियां हो सकती है। इस कार्रवाई के बाद पुष्कर में नशे का कारोबार करने वाले सभी व्यापारी भूमिगत है।

स्वच्छता मिशन की बैठक आज

अजमेर, (कासं)। जिला कलैक्टर अंश दीप की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक शुक्रवार को शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी। जानकारी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार ने दी।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence In Assessment
(उच्चत्तर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन
Autonomous Organization under the Department of Higher Education, Education, Government of India)

IIM BODH GAYA | IIM JAMMU

सार्वजनिक सूचना

दिनांक: 10 मई 2022

प्रबंधन प्रवेश परीक्षा 2022 के संयुक्त एकीकृत कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA), प्रबंधन में, शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए, IIM बोधगया और IIM जम्मू में,5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम में प्रवेश हेतु JIPMAT -2022 का संचालन निम्नलिखित विवरण के अनुसार करेगी:

ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करना	10 मई 2022 से 09 जून 2022 (शाम 5.00 बजे)
ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करना (रात्रि 11.50 बजे तक)	10 जून 2022 (Gen-EWS/SC/ST/PwD/ ट्रांसजेंडर के लिए 1000/- रुपये तथा General/OBC (NCL) के लिए 2000/- रुपये)
परीक्षा की तिथि	03 जुलाई 2022 (रविवार)
परीक्षा की पद्धति	कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT)
प्रश्नपत्र का प्रारूप	बहुविकल्पीय प्रश्न

अभ्यर्थियों को, कला/वाणिज्य/विज्ञान/डिप्लोमा या 60% के साथ समकक्ष (SC/ST/ PwD/थर्ड जेंडर के अभ्यर्थियों के लिए 55%) में 10+2/XII/HSC/PUC परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए या 2020, 2021 में उससे अधिक होना चाहिए या 2022 में उपस्थित हो रहे हों। अभ्यर्थी को, कक्षा 10 की परीक्षा 60% अंकों के साथ (SC/ST/ PwD/थर्ड जेंडर के अभ्यर्थियों के लिए 55%) उत्तीर्ण होना चाहिए। इस परीक्षा में उसकी उत्तीर्णता, वर्ष 2018 से पहले की नहीं हो।

परीक्षा की योजना/अवधि/माध्यम/पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, अस्थायी प्रवेश, सीटों का आरक्षण, परीक्षा शहर, महत्वपूर्ण तिथियां आदि का उल्लेख www.nta.ac.in और https://jipmat.nta.ac.in. पर प्रदर्शित सूचना विज्ञप्ति में किया गया है। इस परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थी को जिपमैट-2022 के विस्तृत सूचना विज्ञप्ति को पढ़कर केवल https://jipmat.nta.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन ही करना चाहिए। इसके लिए नेट बैंकिंग / डेबिट कार्ड / क्रेडिट कार्ड / यूपीआई के माध्यम से SBI बैंक पेमेंट गेटवे का उपयोग करके परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना आवश्यक है। इस संबंध में, अभ्यर्थियों को नवीनतम जानकारियों के लिए NTA की वेबसाइट www.nta.ac.in और https://jipmat.nta.ac.in के निरंतर संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है। अभ्यर्थी, किसी भी तरह के अन्य स्पष्टीकरण के लिए, NTA को jipmat@nta.ac.in पर ईमेल कर सकते हैं या 011-4075 9000 या 011-6922 7700 पर कॉल कर सकते हैं।

डॉ० साधना पाराशर
वरिष्ठ निदेशक (परीक्षा)

davp 21354/12/0004/2223

संक्षिप्त

मनोहर ताराणी सदस्य नियुक्त

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। नगर परिषद उपसभापति मनोहर ताराणी को भाजपा ओबीसी मोर्चा में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया के निर्देशन में मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में वरिष्ठ भाजपा नेता मनोहर ताराणी को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। ताराणी के मनोयन पर सभापति दिनेश सिंह राठौड़, वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पहाड़िया, मांगीलाल अगरवाल, महेन्द्र पाटनी, हरचंद छणग, पत्रकार ओमप्रकाश नाजवानी, समाजसेवी गिरधारी अमरवाणी, विष्णु मेघानी ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी।

गिरीश आसनानी सचिव नियुक्त

अजमेर, (कासं)। यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष सैय्यद यासिर चिश्ती के द्वारा गिरिश आसनानी को यूथ कांग्रेस अजमेर जिला सचिव नियुक्त किया गया है। गिरिश आसनानी को सचिव नियुक्त किये जाने पर सिन्धी समाज मे खुशी का माहौला है। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष सैय्यद यासिर चिश्ती, प्रवक्ता सोना धनवानी, दिनेश के शर्मा, पार्षद शाकिर शाह, डॉक्टर लाल थदानी, गिरधर तेजवानी, नरेश राधानी, मोहन चेलानी, प्रेम सिह गौड, नमन जैन, दीपा पारवानी, विनोद आसनानी मामा अशोक दुलानी, रमेश टिलवानी, वासु चादवानी व कई गणमान्य लोगों ने गिरिश आसनानी को बधाई व शुभकामनाऐ दी।

चिकित्सा शिविर में 67 रोगियों की जांच

मदनगंज-किशनगढ,(निसं)। जय श्री बालाजी स्टोनेक्स की ओर से आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 67 रोगियों की जांच की गई। प्रकाश नारायण, लक्ष्मीनारायण बांगड ने बताया की शिविर में आंखों की जांच के अलावा हड्डी व ब्लड से सम्बंधित बीमारियों के लिए नि:शुल्क परामर्श दिया गया। शिविर में डॉ संदीपा बोहरा, डॉ संजय राठी, डॉ नवल चौधरी, चंद्रशेखर शर्मा, मेगेंद्र शर्मा, सुदीप खोखर ने सेवाएं दी। इस दौरान वेंकटेश बांगड, सुरेश शारदा, निर्मल सोनी, पवन रूणवाल, दीपक मालू, सुशील गंगवाल, रामेश्वर चौधरी, विजय, नाथू, कानसिंह, निखिल सेठिया, ललित धारीवाल, नवरतन, श्यामसुंदर, प्रेमचंद आदि मौजूद रहे।

अवैध खनन में 15 वाहन जब्त

भीलवाडा, (निसं)। जिला कलेक्टर आशीष मोदी के निर्देशन में भीलवाडा जिले में अवैध खनन/निर्गमन/ भंडारण के विरुद्ध अभियान में खान विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, वन विभाग एवं परिवहन विभाग की संयुक्त कार्यवाही में अभियान के तीसरे व चौथे दिन 15 प्रकरणों में 15 वाहन जब्त किये गये। रेगिंग रोधी समिति की बैठक आज अजमेर, 19 मई(कासं)। जेएलएन मेडिकल कॉलेज की रेगिंग रोधी समिति की बैठक प्रधानाचार्य डॉ. वी.बी. सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को सुबह 11 बजे कॉलेज के सेमीनार हॉल में आयोजित होगी। इसमें नए एमबीबीएस सत्रा 2021-22 के दौरान विधि विरूद्ध रेगिंग को रोकने के सम्बन्ध में कार्य योजना बनाई जाएगी।

बिजली चोरों पर जुर्माना लगाया

नसीराबाद, (निसं)। प्रबन्ध निदेशक अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निर्देशानुसार नसीराबाद उपखण्ड से सम्बंधित ग्राम राजोसी में सहायक अभियंता जितेंद्र यादव दुवारा विधुत चोरी करने वालो पर औचक जाँच कर दबीश दी गयी। इसमे इब्राहिम खान पुत्र जाफरु खान, सूबात पुत्र शमी मोहम्मद, मुबारक खान पुत्र मीदु खान को विधुत चोरी करते हुए पाए गए जिनपर लगभग 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया साथ ही सहायक अभियंता जितेन्द्र यादव द्वारा बताया गया कि विद्युत चोरी करने वालो पर लगाम लगाने हेतु अब नसीराबाद उपखण्ड के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में नियमित जाँच कर कार्यवाही की जाएगी।

पटेल उद्यान में योग शिविर लगाया

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद छावनी परिषद ने पटेल उद्यान में गुरुवार को योग शिविर आयोजित किया गया। इसमें योग गुरु द्वारा खुर्शीद अहमद ने उद्यान में आने वाले सैकड़ों महिला व पुरुषों को विभिन्न योगासन के साथ योगी क्रियाएं बताई साथ ही प्राणायाम करने के लाभ भी बताए गए और आमजन को रोजाना व्यायाम करने के लिए प्रेरित किया गया।

डीडवाना में पेयजल समस्या को लेकर दर्जनों महिलाओं ने मटका रैली निकाली

डीडवाना, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में व्याप्त पेयजल समस्या को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा की ओर से एसडीएम कार्यालय के बाहर दिया जा रहा धरना और आमरण अनशन तीसरे दिन भी जारी रहा। किसान नेता भागीरथ यादव व जगदीश गोदारा आमरण अनशन पर बैठे रहे।

इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंची दर्जनों महिलाओं ने शहर में मटका रैली निकालकर विरोध जताया। साथ ही उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने मटके फोडकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और जलदाय विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पेयजल सप्लाई व्यवस्था में सुधार की मांग की।

इस दौरान किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष भागीरथ यादव ने आरोप लगाया कि गांवों में भीषण पेयजल संकट है। ग्रामीणों को कई कई दिनों तक पानी नही मिल पा रहा है। सरकार गांव के प्रत्येक घर तक इंदिरा गांधी नहर का पानी पहुंचाने का दावा कर रही है। जबकि हकीकत इसके उलट है। आज भी 40 से अधिक लोगों को नहरी योजना के कनेक्शन नहीं मिल सके हैं और भीषण गर्मी के इस दौर में भी उन्हें पेयजल संकट से जूझना पड रहा है। ग्रामीणों को मजबूरन टैंकर मंगवाने पड रहे हैं।

दर्जनों महिलाओं ने उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने मटके फोड़कर जोरदार प्रदर्शन किया।

- स्थानीय प्रशासन व जलदाय विभाग के खिलाफ की नारेबाजी
- ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या के समाधान की मांग

उन्होंने इस बात पर रोष जताया है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा की मांग को लेकर पिछले 3 दिनों से किसान नेता अनशन कर रहे हैं लेकिन अब तक प्रशासन ने उनसे कोई वार्ता नहीं की है जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

किसान का राजस्व रिकॉर्ड में तीन दशक बाद नाम दुरुस्त हुआ

मांडलगढ़ के धामनिया पंचायत में फॉलोअप शिविर में पट्टा वितरण किया गया।

मांडलगढ, (निसं)। मांडलगढ उपखण्ड के धामनिया ग्राम पंचायत मुख्यालय पर प्रशासन गांवों के संग अभियान का फॉलोअप शिविर आयोजित किया गया। इसमें क्षेत्र के चार ग्राम पंचायतों के कामकाज निबटाए गए।

धामनिया गाँव में आयोजित शिविर में पंचायत राज, राजस्व, पेंशन, पालनहार, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, जलदाय, कृषि सहित18 विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर में आने वाले ग्रामीणों के नियमानुसार आवेदन पर हाथों हाथ निस्तारण किया गया। शिविर में बंजारा व कालबेलिया समाज के लिए आबादी विस्तार हेतु भूमि आवंटन के लिए हाथों हाथ दस्तावेज तैयार किये गए ओर आवंटन की प्रक्रिया शुरू की गई। शिविर में किसान राजेन्द्र कुमार मारू के खतेदारी भूमि के प्रकरण का निस्तारण किया गया और किसान लक्ष्मी लाल जोशी के नाम का तीन दशक बाद शुद्धिकरण कर लक्ष्मीलाल शर्मा राजस्व रिकॉर्ड में दुरुस्त किया। राजस्व रिकॉर्ड में सांवरा से सोनू बैरवा नाम शुद्धिकरण किया गया। गीता पत्नि नाथू तेली, गीता पत्नी राम लाल बैरवा को हाथों हाथ पालनहार योजना से लाभान्वित किया गया। शिविर में प्रभारी एवं एसडीएम सीमा तिवाडी, माण्डलगढ पूर्व विधायक विवेक धाकड, प्रधान सतीश चंद्र जोशी, विकास अधिकारी मुकेश जैमन, तहसीलदार नारायण शर्मा, लक्ष्मण लाल मीणा, सरपंच दाखी देवी, पंचायत समिति सदस्य जितेंद्र कुमार मूंदडा, सरपंच प्रेम देवी जाट, भैरु लाल गुर्जर,उपसरपंच भवानी शंकर शर्मा, काछोला सरपंच प्रह्लाद नट आदि ने लाभार्थियों को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर निस्तारण किया। शिविर में अतिथियों ने आवासीय मकानों के पट्टे व राजस्व रिकॉर्ड शुद्धिकरण दस्तावेज लाभार्थियों को वितरण किए।

2.56 लाख किसानों के बिजली बिल आए शून्य

अजमेर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा किसानों को राहत देने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना के तहत अजमेर डिस्कॉम क्षेत्र के 2.56 लाख किसानों के बिजली बिल शून्य आए हैं। राज्य सरकार ने अप्रैल और मई महीने की बिलिंग में किसानों को 91.22 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी है।

डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक एनएस निर्वाण ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले साल किसान मित्र ऊर्जा योजना की शुरूआत की थी। योजना के तहत सामान्य श्रेणी ग्रामीण मीटर्ड एवं फ्लैट रेट कृषि उपभोक्ताओं को कृषि बिजली बिल में एक हजार रुपए प्रतिमाह व अधिकतम 12 हजार रुपए प्रतिवर्ष का अतिरिक्त अनुदान राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा। इस योजना के तहत अप्रैल व मई माह में 91.22 करोड़ रुपयों का अनुदान राज्य सरकार द्वारा किसानों को दिया गया। इस योजना के तहत अजमेर डिस्कॉम क्षेत्र के 4.70 लाख किसान अप्रैल व मई माह के दौरान लाभान्वित हुए है। डिस्कॉम क्षेत्र के 2.56 लाख किसानों के बिजली के बिल शून्य आए है। निर्वाण ने बताया कि मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना के तहत सामान्य श्रेणी ग्रामीण ब्लॉक ओवर सप्लाई के मीटर्ड एवं फ्लैट रेट श्रेणी कृषि उपभोक्ताओं को वर्तमान में दिए जा रहे टैरिफ अनुदान के अतिरिक्त एक हजार रुपए प्रतिमाह का अनुदान अधिकतम 12 हजार रुपए प्रतिवर्ष विद्युत विपत्र में समायोजन के माध्यम से दिया जा रहा है।

- अप्रैल व मई माह में किसानों को मिली 91.22 करोड़ की सब्सिडी

निर्वाण ने सभी पात्र उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी बिजली का बिल समय पर भरते रहे जिससे आपको लाभ मिल सके। उन्होंने आम उपभोक्ताओं से भी अपील कि की आप सभी अपना बिल समय पर जमा करवाएं।

विद्युत आपूर्ति रहेगी प्रभावित

ब्यावर, (निसं)। बिजयनगर रोड 11 केवी फीडर का आवश्यक मरम्मत कार्य होने के कारण शुक्रवार को प्रात: 7 से 10 बजे तक विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी। इसके कारण सेंदरिया, सुरेशनगर द्वितीय, मास्टर कोलोनी, पाश्र्वनाथ कोलोनी, बिजयनगर रोड, सन्तोषी माता मन्दिर के पीछे वाली कोलोनीयों के एरिया से सम्बंधित क्षेत्रा की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। यह जानकारी अजमेर विद्युत वितरण निगम के सहायक अभियंता ने दी।

दुष्कर्म मामले में सौंपा ज्ञापन

भीलवाडा, (निसं)। मांडलगढ थाना क्षेत्र मेंएक बुजुर्ग दुकानदार द्वारा बालिका से दुष्कर्म मामले में वाल्मीकि समाज ने चार सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि बुजुर्ग दुकानदार ने बालिका से दुष्कर्म किया है। इससे बालिका का जीवन बर्बाद हो गया है। ज्ञापन में दुष्कर्म के आरोपी को फांसी या आजीवन कारावास की सजा देने, मुआवजे के रूप में बालिका के परिजनों को 20 लाख रुपए, परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी और बालिका के परिवार की सुरक्षा करने की मांग की गई है। ज्ञापन देते समय वार्ड 27 के पार्षद श्यामलाल मल्होत्रा सहित वाल्मीकि समाज के लोग मौजूद थे।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खाई में गिरी

मांडलगढ, (निसं)। मांडलगढ-भीलवाडा एनएच सडक मार्ग पर गुरुवार सुबह भीलवाडा की ओर तेज रफ्तार से जा रही कार अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गई। हादसे में एक की मौत हो गई तथा दो जने गंभीर घायल हो गए।

बीगोद थाना पुलिस के अनुसार बीगोद से आगे भीलवाडा की ओर तेज रफ्ततार जा रही एक कार चावंड माता मंदिर के नजदीक अनियंत्रित होकर खाई में गिरी खाई में गिर गई। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि कार पहले एक पुलिया के पिलर से टकराई ओर 20 फिट ऊपर हवा में उछलने के बाद खाई में गिर पडी। कार में सवार तीन जने राजू पिता तलिया राम, कमला पत्नी बरदा रेगर, वरदा पिता छोटू रेगर निवासी पिपलुन्द थाना जहाजपुर गंभीर घायल हो गए। हादसे की सूचना पर बीगोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर घायलों को उपचार के लिए बीगोद के सामुदायिक चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सक ने बरदा पिता छोटू रेगर उम्र 50 वर्ष को मृत घोषित किया। दो अन्य की हालत गंभीर होने पर उपचार के लिए भीलवाडा जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। पुलिस ने मृतक के शव को मांडलगढ चिकित्सालय की मोर्चरी में रखा कर परिजनों को सूचित किया और पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की सहायता से हटाया गया।

- एक की मौत, दो गम्भीर घायल

जिला जन अभाव अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक सम्पन्न

नागौर, (निसं)। जिला कलेक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में गुरुवार को भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में जिला जन अभाव एवं सतर्कता समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले के समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुडे।

जिला सतर्कता समिति की बैठक में जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने विभिन्न लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कार्यवाही में प्रगति लाने व निस्तारण के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर समारिया ने कहा कि समस्त अधिकारी अपने विभाग व क्षेत्र से जुडी हुई आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करें। उन्होंने विभिन्न लंबित प्रकरणों में जिला स्तरीय अधिकारियों को सम्बंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया।

- आमजन की परिवेदनाओं का निस्तारण हुआ

बैठक में मौजूद खींवसर विधायक नारायण बेनीवाल ने अधिकारियों को संवेदनशीलता का परिचय देते हुए हर पात्र को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने व सतर्कता समिति की बैठक से परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को अधिकाधिक लाभान्वित करने की बात कही।

जिला जन अभाव अभियोग एवं सतर्कता समिति की इस बैठक में जिला कलेक्टर ने अतिक्रमण हटाने,सामान्य मृत्यु सहायता राशि दिलाने,पत्थर गढी करवाने, अवैध निर्माण, मृत्यु प्रमाण पत्र, विद्युत चोरी की जांच, छात्रवृति का भुगतान, सीमाज्ञान, श्रमिक डायरी के आवेदन सहित विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में नगरपरिषद सभापति मीतू बोथरा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहन लाल खटनावलिया, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीरालाल मीणा,एएसपी राजेश मीणा, डीएफओ ज्ञानचंद मकवाना, उपखण्ड अधिकारी सुनील पंवार, सीएमएचओ मेहराम महिया, पीएचइडी एसई हिमांशु गोविल, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता जीएस मीणा सहित जिला स्तरीय उपस्थित थे।

कलेक्टर पीयूष समारिया ने लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर कार्यवाही में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कुकर्मी अंतिम सांस तक रहेगा जेल में

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। अदालत ने करीब दो साल पहले नाबालिग बालक को छत पर ले जाकर दुष्कर्म करने वाले को अंतिम सांस तक जेल में रखने का आदेश दिया है। अजमेर पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग बालक से कुकर्म के दो साल पुराने मामले में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी को अंतिम सांस तक आजीवन कारावास व 37 हजार का आर्थिक दंड लगाया है। आरोपी पडोसी नाबालिग को बहला फुसला कर छत पर ले गया और दुष्कर्म किया। विशिष्ट लोक अभियोजक रूपेन्द्र परिहार ने बताया कि 29 अप्रैल 2020 को किशनगढ़ सिटी थाना में नाबालिग बालक के साथ कुकर्म का मामला दर्ज हुआ। मामले में आरोपी पडोसी नाबालिग को बहला फुसलाकर छत पर ले गया और उसके साथ कुकर्म किया। करीब चार पांच घंटे तक नाबालिग नहीं मिला तो परिजनों द्वारा तलाश करने पर नाबालिग छत पर मिला। इसके बाद पीड़ित के परिवार ने किशनगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया। सुनवाई के दौरान 18 दस्तावेज और 10 गवाह पेश किए गए। जिसके आधार पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषी माना और उसे आजीवन कारावास के साथ 37 हजार का आर्थिक दंड से दंडित किया। न्यायाधीश बी. एल. जाट ने फैसले में लिखा कि आरोपी ने अत्यन्त घृणित कार्य किया है।

सार-समाचार

दम्पति ने देहदान का संकल्प लिया

ब्यावर, (निसं)। नृसिंह गली निवासी शहर के विशिष्ठ समाज सेवी मिलाप-चन्द्र बुरड (88) ने अपनी पत्नी प्रेम कुंवर वुरड (75) ने अपनी सकारात्मक सोच के साथ देहदान का संकल्प दृष्टि सेवा संस्थान के अध्यक्ष एस.एन.शर्मा की उपस्थिति में लिया। मिलाप-चन्द बुरड शहर कई समाज सेवी संगठनों से जुडे रहकर अनेकों संस्थानों के संस्थापक सदस्य, डाइरेक्टर व अध्यक्ष रह चुके हैं। इस अवसर पर बुरड ने कहा की हमारा शरीर पंच तत्वों से निर्मित है। शरीर जब आत्मा से अलग हो जाता है तो इसको जलाकर या अन्य विधियों से नष्ट कर दिया जाता है। यदि इसी शरीर को देहदान के माध्यम से मेडिकल कालेज के अध्ययन के लिए भेज देवे तो सार्थक उपयोग हो सकता है। इस मौके पर परिवार जन मोहित बुरड, आयुश बुरड कमलेश मेहता, विधि बुरड, सुनील जिन्दल, जगदीश प्रसाद अजमेरा, रामेश्वर प्रसाद वर्मा, मुकेश शर्मा आदि मौजूद थे। शीघ्र ही इनका देहदान संकल्प पत्र मेडिकल कालेज भेज दिया जाएगा।

दो अभ्यर्थी स्टेनोग्राफर पद पर चयन

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। कैरियर काउंसलर मधु मैम के दिशा निर्देशन में दो अभ्यर्थियों महिमा दाधीच व रोहित साहू का स्टेनोग्राफर हिंदी के पद पर सरकारी नौकरी में चयन हुआ है। पुराने बस स्टैंड के पीछे स्काई कैरियर क्लासेस से जुडी शिक्षाविद व कैरियर काउंसलर मधु गोयल के मार्गदर्शन में कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा ली गई स्टेनोग्राफर परीक्षा-18 के फाइनल रिजल्ट में शिवाजीनगर निवासी महिमा दाधीच व किशनगढ शहर निवासी रोहित साहू का हिंदी स्टेनोग्राफर के सरकारी पद पर चयन हुआ। इनको जून माह तक कर्मचारी चयन आयोग जयपुर द्वारा नियुक्ति मिल जाएगी। अग्रवाल कन्या पाठशाला समिति के श्रवण कुमार अग्रवाल, मांगीलाल अग्रवाल, विजय कुमार गोयल, प्रो. एस.के. बंसल, श्रीगोपाल गोयल व अग्रवाल समाज अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल महामंत्री प्रदीप अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में गुलाबपुरा टीम विजय

बिजयनगर, (निसं)। शारीरिक शिक्षक स्वर्गीय गिरधर सिंह राठौड़ एवं शारीरिक स्वर्गीय जय सिंह अरोड़ा वॉलीबॉल कोच की स्मृति में एक दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजक सचिव धनराज कावडिया ने एक दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि राजकीय नारायण उच्च माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता में श्री सीमेंट ब्यावर, जालिया द्धित्तीय, गुलाबपुरा एवं बिजयनगर की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता लीग सिस्टम से खेली गई। आयोजित प्रतियोगिता में गुलाबपुरा टीम विजेता एवं श्री सीमेंट को उप विजेता तिसरे स्थान पर बिजयनगर एवं चौथे स्थान पर जालियां द्वितीय की टीम रही। प्रतियोगिता शुभारंभ दिवंगत शारीरिक शिक्षक स्वर्गीय गिरधर सिंह एवं स्वर्गीय जय सिंह अरोड़ा के चित्र के समक्ष समाजसेवी ज्ञान चंद सिंघवी, घनश्याम मीणा पुलिस एस आई, एवं अधिशासी अधिकारी विकास कुमावत ने दीप प्रज्वलित कर किया। दूधिया रोशनी में प्रतियोगिता के अंतिम मैच खेले गए जिसमें मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हगामी लाल मेवाड़ा, अमर सिंह के द्वारा किया गया एवं पारितोषिक वितरण किया। कविता अरोड़ा संजीवनी कॉलेज के डायरेक्टर मीना शर्मा एवं सत्यनारायण अग्रवाल, सुरेंद्र सिंह भाटी,सत्यनारायण राठी, रमेश गट्टानी, सुरेंद्र शर्मा पंडित,सुनील सोमानी, रविंद्र कच्छावा,शिवराज महेश्वरी,शिव सिंह राठौड़, रणवीर सिंह टीपू, हनुमान जांगिड़, रामदयाल जाट, दशरथ पुरी उपस्थित थे। प्रतियोगिता के संयोजक भवानी सिंह राठौड़ ने सभी खिलाडियों अतिथियों एवं वॉलीबॉल प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

बस स्टैंड पर गंदगी से आमजन परेशान

डीडवाना, (निसं)। मुख्य बस स्टैंड के नजदीक भारी गंदगी की वजह से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद नगरपालिका से सुनवाई नहीं हो रही है। डीडवाना मुख्य बस स्टैंड और जबरेश्वर बालाजी बस स्टैंड के बीच भीड भाड वाले क्षेत्र में दिनभर पडी रहने वाली गंदगी की वजह से आमजन परेशान हैं। दिनभर यहां हजारों लोगों का आवागमन रहता है। सैंकडों की संख्या में यहां से रोडवेज बसें निकलती हैं और दिनभर में हजारों की संख्या में निजी वाहन यहाँ से निकलते हैं साथ ही अजमेर, जयपुर, सीकर,दिल्ली की तरफ जाने वाले सभी वाहनों के लिए यह मुख्य मार्ग है। इतना महत्वपूर्ण मार्ग होने के बावजूद नागरपालिका द्वारा यहां कचरापात्र तक नहीं रखा हुआ है। दूसरी तरफ नगरपालिका के कर्मचारी भी यहां नियमित सफाई नहीं करते। स्थानीय लोगों के अनुसार इसकी शिकायत कई बार नगरपालिका में की जा चुकी है लेकिन नगरपालिका में किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हो रही है। नगरपालिका क्षेत्र में लंबे समय से सफाई व्यवस्थाएं बदहाल है। ना तो प्रशासनिक अधिकारी इस पर ध्यान दे रहे हैं और ना ही कर्मचारी ढंग से काम कर रहे हैं।

शिविर में प्रकरण निस्तारित किये

कुचामन सिटी, (निसं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021 अन्तर्गत द्वितीय चरण में नेहरू उद्यान परिसर, नगरपरिषद, कुचामन सिटी में वार्ड नंबर 6 से 10 तक के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कृषि भूमि के 14 पट्टे, 69 क अन्तर्गत 06 पट्टे, नामान्तरण के 05 प्रकरण निस्तारित किये गये। इसके अतिरिक्त 31 जन्म-मृत्यु प्रकरण निस्तारित किये गय। इस प्रकार पालिका में लगभग 8.25 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ। शिविर में आयुक्त श्रवणराम चौधरी, उपसभापति हेमराज चांवला, सम्बन्धित वार्ड पार्षद फारूख कलाल, सुरेश सिखवाल, मानसिंह, शाहरूख, बसो बानो, श्यामलाल बागडा, फूलचन्द, इमरान खान, मनोनीत पार्षद दीनदयाल कुमावत एवं अन्य पार्षदगण व शिविर प्रभारी श्री राजेन्द्र रेवाड, कनिष्ठ लेखाकार के साथ सहायक अभियन्ता श्री ललित गुप्ता, पालिका कार्मिक रफीक अहमद, महेश कुमार, कनवरलाल, महावीरप्रसाद कुमावत, अक्षय प्रजापति, पवन शर्मा, आशिष दाधीच आदि उपस्थित रहे।

घटिया सामग्री की भेंट चढ़ी सड़क

डीडवाना, (निसं)। शहर के अनेक क्षेत्रों में नगरपालिका की ओर से निर्मित सडकें घटिया निर्माण की भेंट चढ गई है। यह सडकें निर्माण के कुछ ही समय बाद जर्जर ओर क्षतिग्रस्त हो रही है। डीडवाना के चुंगी नाका के समीप स्थित सामुदायिक भवन से सालासर रोड तक जाने वाली सीसी सडक भी अपने निर्माण के कुछ समय बाद ही घटिया निर्माण से जर्जर हो चुकी है। समूची सडक अनेक स्थानों से क्षतिग्रस्त हो गई है। सडक पर जगह जगह गड्ढे बन गए हैं। पूरी सडक से कंक्रीट पत्थर ओर कंकर निकलकर फैल गए हैं। इससे जहां वाहन चालको को असुविधा हो रही है वहीं उनके वाहनों को भी नुकसान पहुंच रहा है। भाजपा के श्याम प्रताप सिंह राठौड का कहना है कि नगरपालिका में कांग्रेस का बोर्ड जब से बना है, भ्रष्टाचार चर्म सीमा पार कर चुका है। ऐसे में राठौड ने पूरी नगरपालिका में पिछले 3 वर्षों में हुए सभी कार्यो की और निविदा टेंडरों की जांच कराने की भी मांग रखी है।

रणथंभौर नेशनल पार्क में खाने-पीने का सामान व प्लास्टिक की बोतल कैसे जाती हैं, गार्ड क्यों नहीं लगाते : हाईकोर्ट

प्रमुख राजस्व सचिव, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर व एसपी सहित वन विभाग के आला अफसरों को शुक्रवार को अदालत में पेश होने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सवाई माधोपुर के रणथंभौर नेशनल पार्क व टाइगर रिजर्व में टाइगर के संरक्षण से जुड़े मामले में राज्य सरकार से पूछा है कि वहां पर खाने-पीने का सामान व प्लास्टिक की बोतल कैसे जा रही हैं। इन्हें रोकने के लिए वहां पर गार्ड क्यों नहीं लगाए जाते।

वहीं अदालत ने पूछा कि होटल वाले सेंचुरी में सफारी कैसे करा रहे हैं और फुल डे व हाफ डे सेंचुरी की व्यवस्था क्या है। वहीं अदालत ने मामले में स्पष्टीकरण के लिए शुक्रवार को प्रमुख राजस्व सचिव, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर व एसपी सहित वन विभाग के आला अफसरों को अदालत में हाजिर होने के लिए कहा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता व समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश स्वप्रेरित प्रसंज्ञान व अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इन अफसरों से यह भी बताने के लिए कहा है कि उन्होंने पूर्व में दिए गए निर्देशों की क्या पालना की।

- **अदालत ने पूछा कि होटल वाले सेंचुरी में सफारी कैसे करा रहे हैं और फुल डे व हाफ डे सेंचुरी की व्यवस्था क्या है**

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पूर्व में निर्देश दिया था कि वह रणथंभौर व सरिस्का सहित अन्य अभयारण्यों व टाइगरों के संरक्षण के लिए योजना तैयार करें। अदालत ने राज्य सरकार को एम्पावर्ड कमेटी की सिफारिशों की पालना कर रिपोर्ट भी पेश करने को कहा था, लेकिन अदालती आदेश का पालन नहीं किया गया।

याचिका में कहा था कि एनटीसीए के लिखने के बाद भी टाइगर फोर्स नहीं बनी है और सरिस्का अभयारण्य सहित अन्य जगहों पर टाइगर मर रहे हैं। अभयारण्य के कोर एरिया में अभी भी लोग बसे हुए हैं और अधिकतर गांव वालों के पास हथियार भी हैं। यहां पर टाइगर सहित अन्य जानवरों का शिकार किया जा रहा है। ऐसे में सरिस्का क्षेत्र में शिकारियों पर कार्रवाई की जाए और इसे रोकने के लिए प्रोटेक्शन फोर्स बनाई जाए। क्षेत्र में अवैध खनन व पशुओं की चराई को भी रोका जाए और मामले में लापरवाही बरतने पर मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि अदालत ने भी सरिस्का और रणभंभौर सहित अन्य रिजर्व को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था।

गहलोत सरकार को अलविदा कहने का जनता ने मन बना लिया है : नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा का गुरूवार को जयपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया।

जयपुर। प्रदेश की राजधानी जयपुर में 3 दिन तक देशभर के भाजपाइयों का जमावड़ा रहेगा इसकी शुरुआत गुरुवार को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अनेक पदाधिकारी राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक दिल्ली रोड स्थित एक होटल में पहुंचे। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार शाम जयपुर पहुंचे। जयपुर एयरपोर्ट पर जहां लोक गीत और संगीत से उनका स्वागत किया गया। वहीं एयरपोर्ट परिसर के बाहर वैदिक मंत्रों के साथ नड्डा की अगवानी की।

इसके साथ ही आमेर में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गहलोत सरकार पर जुबानी हमला बोला। आमेर के कुंडा पर उनके स्वागत के बाद मंच से नड्डा ने कहा कि गहलोत सरकार में राजस्थान के लोगों की उपेक्षा और उसका निरादर हुआ है। जनता ने गहलोत सरकार को अलविदा कहने और भाजपा सरकार लाने का मन बना लिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भी गहलोत सरकार पर निशाना साधा और कहा जगह-जगह समाज में अशांति फैलाई जा रही है। करौली भरतपुर जैसी घटनाए इस बात को बताती है कि यहां पर प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है जिसके चलते आम आदमी आज दहशत में है। इसलिए यहां की धरती पर कमल का फूल खिलाना है। से पहले नड्डा का पूरे मार्ग में जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। कुछ जगहों पर नड्डा ने रुककर कार्यकर्ताओं का अभिवादन भी स्वीकार किया।इस दौरान आमेर विधानसभा क्षेत्र के आमेर कुंडा पहुंचने पर भी नड्डा का भव्य स्वागत किया गया। खास बात यह रही कि सतीश पूनिया ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से हाथ लगवाकर नड्डा के सिर पर लाल रंग की पाग पहनाई। आमिर के कुंडा से राष्ट्रीय अध्यक्ष नोएडा के स्वागत में ट्रैक्टरो एवं मोटरसाइकिलो भाजपा कार्यकर्ताओं ने काफिले के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को होटल परिसर तक पहुंचायाहोटल परिसर में बनाए गए कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में डालें एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में सुंदर सिंह भंडारी और कुशाभाऊ ठाकरे के जीवन वृतांत के बारे में बताया गया है।

'मन मिले ना मिले लेकिन हम साथ-साथ हैं'

जयपुर। भाजपा की तीन दिवसीय राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक आमेर के एक होटल में होगी। इस बैठक में शामिल होने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पहुंचे। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत भाजपा कार्यकर्ताओं ने पलंग पावडे बिछा कर किया गया।

नड्डा ने पार्टी को एकजुट बताने का के लिए अपनी गाड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को साथ बैठाया। पूरे रास्ते यह चारों नेता एक ही गाड़ी में सवार रहे। गौरतलब है कि पिछले दिनों दिल्ली में प्रदेश के नेताओं की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन मंत्री बीएल संतोष ने ली और सभी को एकजुट और एक साथ रहने का संदेश दिया था। उसके बाद यह पहला मौका था जिसमें प्रदेश के यह नेता एक साथ एक मंच पर नजर आए। वही कार्यकर्ताओं का कहना यह भी है कि मन मिले ना मिले लेकिन हम साथ साथ हैं। जिससे प्रदेश में होने वाले 2023 के चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बन सके।

प्रदेश के 15 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले गुरूवार को

हालांकि, राज्य में नए संक्रमितों की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं होने से 65 ही मामले सामने आए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में गुरूवार को 15 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले है। हालाकि संक्रमितों की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। इस दौरान 65 नए मरीज सामने आए हैं। इधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 84 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को 6 मामले बढ़ने के साथ ही 65 नए संक्रमित मिले है। इससे पहले बुधवार को 59 रोगी पाए गए थे। आज राजधानी जयपुर में मामूली गिरावट के बाद 27 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 9, धौलपुर में 5, अजमेर में 4, चित्तौड़गढ़ व उदयपुर में 3-3, बारां, बीकानेर, गंगानगर व सीकर में 2-2 तथा चूरू, झालावाड़, कोटा और राजसमंद में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 18 जिलों बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

- **राजधानी जयपुर में मामूली गिरावट के बाद 27 नए मरीज मिले हैं।**
- **राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 84 संक्रमितों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं।**

प्रदेश में गुरूवार को भी रिकवरी बेहतर होने से एक्टिव केसों में कमी आई है। इस दौरान राज्य में 84 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं। वहीं जयपुर में भी इनकी संख्या 275 रह गई है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से राज्य में 9554 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में गुरूवार को 15 स्थानों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5-5 नए मरीज सांगानेर व सोड़ाला में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, मानसरोवर में 2 तथा आदर्श नगर, बनीपार्क, दुर्गापुरा, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, मालवीय नगर, प्रताप नगर, पुरानी बस्ती, टोंक फाटक और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 57 मरीज ठीक हुए हैं।

प्रदेशों में होने वाले आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर हुआ मंथन

जयपुर। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की तीन दिवसीय बैठकों का दौर गुरुवार को शुरू हो गया है। इसमें पहले दौर में राष्ट्रीय महामंत्रियों की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने ली।

इस दौरान सभी राष्ट्रीय महामंत्री मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में आगामी दिनों में देश के कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव के बाद 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू करने पर भी मंथन किया गया। इस बैठक में प्रदेशों में आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यक्रम और कांग्रेस या अन्य विपक्षी पार्टियों को घेरने की रणनीति प्रमुख रूप से बने इसके लिए विचार मंथन किया गया। इस बैठक में आगामी दिनों में भाजपा के होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की गई।

रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छह हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग ने आलू की कीमत से तीन रुपए ज्यादा वसूलने पर रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छह हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने यह आदेश नंदकिशोर की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में कहा गया कि रिलायंस रिटेल लि. ने एक जनवरी से दस जनवरी 2016 तक आलू की कीमत 8.50 रुपए प्रति किलोग्राम तय की थी और विज्ञापन में इसका उल्लेख भी किया था। परिवाद में कहा गया कि उसने 2.120 किलोग्राम आलू खरीदे, लेकिन रिलायंस ने तय कीमत के बजाए 21.20 रुपए वसूल लिए। परिवादी की ओर से कहा गया कि विक्रेता ने 18.02 रुपए के बजाए अधिक रुपए वसूल कर सेवा दोष कारित किया है। वहीं आयोग की ओर से नोटिस भेजने के बावजूद भी रिलायंस की ओर से कोई जवाब पेश नहीं किया गया।

विराट की वापसी, ठोका अर्द्धशतक, प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

स्कोर बोर्ड

गुजरात टायटंस	रन	गेंद	4	6
साहा रन आउट	31	22	4	1
शुभमन का मैक्सवैल बो हेजलवुड	1	4	0	0
मैथ्यू पगबाधा बो मैक्सवैल	16	13	2	1
हार्दिक नाबाद	62	47	4	3
मिलर का और बो हसरंगा	34	25	0	3
तेवतिया का कार्तिक बो हेजलवुड	2	3	0	0
राशिद नाबाद	19	6	1	2
अतिरिक्त :	3			
कुल : 20 ओवर में 5 विकेट पर 168 रन				
विकेट पतन : 1-21, 2-38, 3-62, 4-123, 5-132				
गेंदबाजी : सिद्धार्थ 4-0-43-0, शाहबाज 2-0-15-0, हेजलवुड 4-0-39-2, मैक्सवेल 4-1-28-1, लोमरोर 1-0-11-0, हसरंगा 4-0-25-1, पटेल 1-0-6-0				
रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू	रन	गेंद	4	6
कोहली स्ट वाडे बो रशिद	73	54	8	2
प्लेसिस का हार्दिक बो रशिद	44	38	5	0
मैक्सवेल नाबाद	40	18	5	2
कार्तिक नाबाद	2	2	0	0
अतिरिक्त :	11			
कुल : 18.4 ओवर में 2 विकेट पर 170 रन				
विकेट पतन : 1-115, 2-146				
गेंदबाजी : शमी 2-0-23-0, हार्दिक 3-0-35-0, राशिद 4-0-32-2, दयाल 4-0-35-0, किशोर 4-0-20-0, फर्गुसन 1.4-0-21-0				

मुम्बई, 19 मई। पूर्व कप्तान विराट कोहली (73) की फॉर्म में वापसी और ग्लेन मैक्सवेल की नाबाद 40 रन की आतिशी पारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को आईपीएल मुकाबले में गुरूवार को आठ विकेट से मात देकर टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को कायम रखा।

गुजरात ने कप्तान हार्दिक पांड्या की नाबाद 62 रन की शानदार कप्तानी पारी से 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन बेंगलुरु ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेंगलुरु की 14 मैचों में यह आठवीं जीत रही और वह 16 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन उसका नेट रन रेट माइनस में होना उसके लिए अंत में नुकसानदायक हो सकता है। बेंगलुरु की उम्मीदें अब दिल्ली के आखिरी मैच के परिणाम पर निर्भर करेंगी जिसका प्लस में रन रेट है। बेंगलुरु की जीत से पंजाब और हैदराबाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

विराट ने 54 गेंदों पर 73 रन में आठ चौके और दो छक्के लगाए और कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी (44) के साथ ओपनिंग साझेदारी में 115 रन जोड़े। ग्लेन मैक्सवेल आने के साथ ही राशिद खान की गेंद पर बीट हुए लेकिन गेंद स्टंप्स को टच करते हुए निकल गयी। बेल्स में बत्ती भी जली लेकिन बेल्स गिरी नहीं और मैक्सवेल ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए चौके-छक्के उड़ाए। डुप्लेसी को आउट करने वाले राशिद ने विराट को स्टंप कराया। मैक्सवेल ने फिर दिनेश कार्तिक के साथ मैच निपटा दिया। विराट कोहली के जिस अंदाज का आरसीबी को इंतजार था, वह आज देखने को मिला। वही पुराना आक्रामक अंदाज। यही वजह रही कि आरसीबी के ओपनरों ने पूरी तरह से डोमिनेट किया और गुजरात टाइटंस के दिए 169 के लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

भारत की निखत ने विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण

नयी दिल्ली, 19 मई। भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन ने करोड़ों देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए गुरुवार को तुर्की के शहर इस्तांबुल में 5-0 से शानदार जीत के साथ आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

निखत ने 52 किग्रा भार वर्ग के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की जितपोंग जुतामास को बिना किसी खास परेशानी से एकतरफा अंदाज में दोयम साबित किया। सभी पांच जजों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में 30-27, 29-28, 29-28, 30-27, 29-28 का स्कोर दिया।

निजामाबाद (तेलंगाना) में जन्मी यह मुक्केबाज छह बार की चैंपियन एमसी मैरी कॉम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006) और लेख केसी (2006) के बाद विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने वाली सिर्फ पांचवीं भारतीय महिला बनीं। इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन में 2018 में महान मुक्केबाज मैरी कॉम की खिताबी जीत के बाद से यह भारत का पहला स्वर्ण पदक भी है।

आज के मुकाबले को देखें तो निखत ने अच्छी शुरुआत की और कुछ सटीक मुक्कों से शुरूआती तीन मिनट में आत्मविश्वास से लबरेज जुतामास के खिलाफ बढ़त हासिल की। ऐसा नहीं था कि निखत के सामने खड़ी मुक्केबाज का स्तर अच्छा नहीं था। वह तीन बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता कजाकिस्तान की ज़ैना शेकरबेकोवा को हराकर फाइनल में पहुंची थीं।

इन सबकी परवाह किए बगैर 25 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने अपने लंबे कद का पूरा फायदा उठाया और थाई मुक्केबाज के खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखा। निखत ने जुतामास को 2019 थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में हराया था। जुतामास ने हालांकि दूसरे राउंड में जवाबी हमला करते हुए करने की कोशिश की लेकिन वह काफी तेज और सटीक दिख रहीं निखत के सामने मुश्किल से ही कोई परेशानी पैदा करने में कामयाब हो सकीं। इसका कारण यह था कि निखत पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं।

निखत ने सामने से अपनी विपक्षी खिलाड़ी पर सटीक मुक्के मारे और ताकत के साथ उनके सामने डटी रहीं। यह सब बातें उनके लिए काफी महत्वपूर्ण कारक साबित हुई और इसका फायदा निखत को अंतिम राउंड में मिला और वह अपना पहला फाइनल खेलते हुए लगातार हमले करती रहीं और अंततः विजेता बनकर उभरीं।

मैं जीवन के उस पड़ाव में हूं जहां फील्ड पर उत्साह या निराशा नहीं ढूंढ़ता : कोहली

मुम्बई, 19 मई। आईपीएल में खराब दौर से गुजर रहे पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव में हैं और फ़ील्ड पर क्या होता है उसमें वह उत्साह या निराशा नहीं ढूंढते। साथ ही उन्होंने कहा है कि आईपीएल में लगभग नौ सीज़न बाद सिर्फ़ एक खिलाड़ी के रूप में खेलते हुए भी वह एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं और कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी को सुझाव देने से नहीं कतराते हैं।

स्टार स्पोर्ट्स पर इनसाइड आरसीबी कार्यक्रम पर कोहली ने कप्तानी त्यागने के बाद खेलने के बारे में कहा, सच कहूं तो यह थोड़ा अलग है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह कठिन है क्योंकि आप लगातार प्रक्रिया में योगदान देते रहते हैं। सौभाग्य से फ़ाफ़ और मुझमें दोस्ती हमेशा अच्छी रही है। टीम में एक नेतृत्व समूह है जिसमें हम सब अपने सुझाव देते हैं।

मैदान पर भी जब फ़ाफ़ आउटफ़ील्ड में होते हैं तो उन्होंने मुझे कोण और खिलाड़ियों के स्थान में छोटे-मोटे परिवर्तन करने की छूट दे रखी है। ऐसा मैं एमएस (धोनी) के साथ खेलते हुए भी किया करता था। एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी के तौर पर खेल में अधिक योगदान देने और कप्तान को सुझाव देने में मुझे बहुत मज़ा आता रहा है और यहां भी ऐसा ही है। कोहली ने आईपीएल 2022 के पहले 13 मैचों में केवल 236 रन बनाए हैं और सीज़न के बीच ओपनर के रूप में खेलते हुए भी उनके प्रदर्शन में ख़ासा फ़र्क नहीं पड़ा है। वह कुल छह बार 10 से कम के स्कोर पर आउट हुए हैं और इसमें तीन गोल्डन डक शामिल हैं जहां गेंदबाज़ों ने उन्हें उनकी पारी की पहली गेंद पर पवेलियन भेज दिया है।

केवल एक अर्धशतक लगाने के बावजूद कोहली ने इस पड़ाव पर एक दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाते हुए कहा, भले ही यह अनुभव हो या इससे पहले घटे अनुभव, मैं उनकी वजह से ख़ुद को ज़्यादा मूल्यवान मानता हूं। मैं वास्तव में अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव पर हूं और मुझे मैदान पर घट रही चीज़ों में कोई मोल या आत्म मूल्य नहीं दिखाई देता। इसका मतलब यह नहीं कि मुझमें सफल होने की भूख़ नहीं रही। जिस दिन वह भूख़ चली जाएगी मैं यह गेम छोड़ दूंगा।

कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है : शास्त्री

मुम्बई, 19 मई। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है लेकिन उन्हें निर्भिक तरीक़े से खेलने की आवश्यकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो हिंदी के प्री मैच शो टी20 टाइमआउट हिंदी में शास्त्री ने कोहली की बल्लेबाज़ी के बारे में बात करते हुए कहा, अगर विराट कोहली ओपनिंग करने आते हैं तो उन्हें निर्भिक होकर खेलना चाहिए। उन्हें कहीं से भी दब कर नहीं खेलना है। मेरे ख़्याल में काफ़ी समय से उनका लक भी उनके साथ नहीं है।कोहली ने आईपीएल 2022 में 19.66 की औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें मात्र एक अर्धशतक शामिल है।

सहवाग ने कहा, गांगुली ने नई टीम बनायी, विराट ऐसा नहीं कर पाए

नई दिल्ली, 19 मई। पूर्व भारतीय कप्तान विरेंद्र सहवाग ने कहा है कि सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई लेकिन विराट कोहली अपने समय में ऐसा नहीं कर पाए। स्पोर्ट्स18 चैनल के एक कार्यक्रम में सहवाग ने विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी के बारे में भी एक तुलनात्मक टिप्पणी की। सहवाग ने कहा सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई, नए खिलाड़ियों को टीम में लाये और उनके उतार-चढ़ाव में उनका समर्थन किया। मुझे संदेह है कि क्या कोहली ने अपने कार्यकाल के दौरान शायद ही ऐसा किया हो।

सुशील अध्यक्ष और ऋतुपर्ण सचिव बने

जयपुर, 19 मई। राजस्थान सितोलिया एसोसिएशन की जनरल मीटिंग आयोजित की गई जिमसें चुनाव अधिकारी रमापती दाधीच (अधिवक्ता) द्वारा चुनाव कराये गये। जिसमें सुशील गुर्जर (अध्यक्ष) ऋतुपर्ण पारीक (सचिव), सुनील गुप्ता (कोषाध्यक्ष) नरेन्द्र जोशी, धर्मेंद्र सिंह चूचू बना (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) चुने गये। इस अवसर पर राजस्थान सितोलिया एसोसियेशन के चेयरमैन मित्रोदय गांधी ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया। आगामी सत्र में होने वाले प्रतियोगिता एवं खेल के प्रचार-प्रसार के बारे में कई प्रस्ताव पारित किये गये। इस अवसर पर निर्वाचित अध्यक्ष सुशील गुर्जर ने कहा कि सितोलिया हमारा पारंपरिक खेल है। इस खेल को बढ़ाने के लिए हम निरंतर प्रयास करेंगे। जिससे इस खेल को राजस्थान में अपनी अलग पहचान मिल सके।

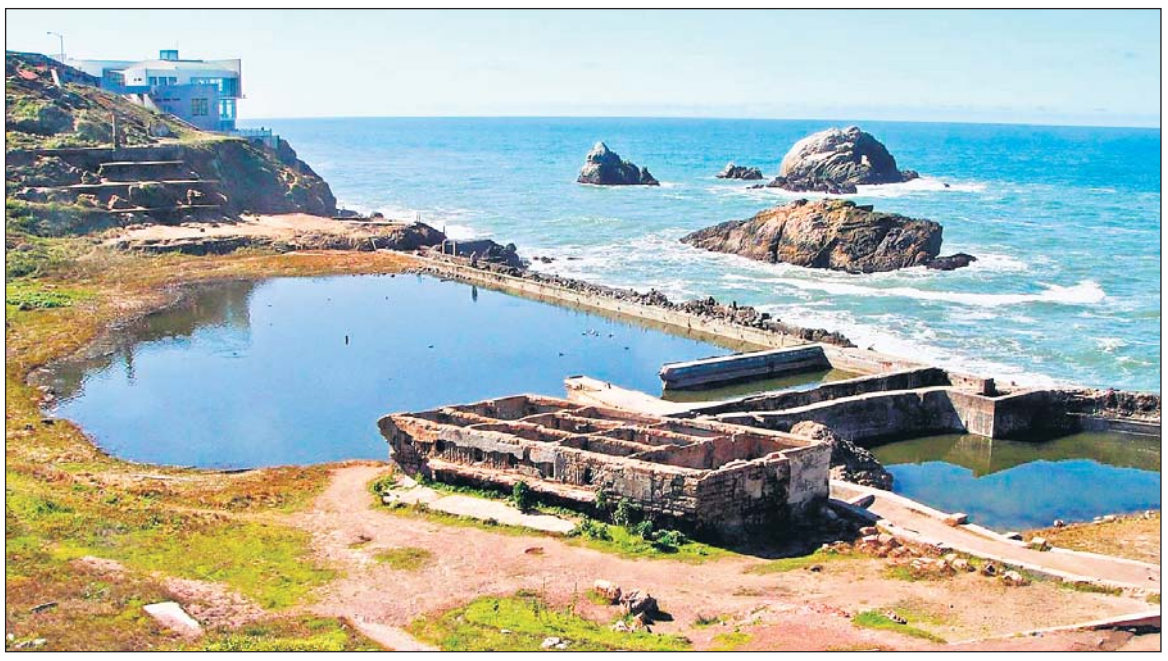

सैनफ्रांसिस्को में ओशन बीच के ठीक उत्तर में गोल्डन गेट नैशनल रीक्रिएशन एरिया है, जहां कभी विश्व का सबसे बड़ा इन्डोर स्विमिंग पूल "सूत्रो बाथ्स" हुआ करता था। इसके अवशेष आज भी देखे जा सकते हैं। जाने माने उद्योगपति और सैनफ्रांसिस्को के मेयर एडॉल्फ सूत्रो ने अपने क्लिफ हाउस के साथ ये स्नानागार बनवाए थे। उनका घर ओशन बीच की एक खड़ी चट्टान के किनारे पर टिका हुआ था। क्लिफ हाउस के नीचे एक छोटे से इनलैट (समुद्र या झील से जमीन पर आने वाली छोटी जलधारा) में यह स्नानागार बनाया गया था। कांच की एक बड़ी इमारत में ताजे पानी का एक पूल था तथा 6 पूल खारे पानी के थे, सबका अलग-अलग तापमान था। सूत्रो बाथ्स 150 मीटर लम्बे और 77 मीटर चौड़े थे और इसमें 18 से 20 लाख गैलन पानी आ सकता था। इनमें पानी भरने का सिस्टम बहुत अद्भुत था। ज्वार के समय समीपवर्ती समुद्र से सीधे पानी आता था और एक घंटे में बाथ में भरा 20 लाख गैलन पानी रीसाइकल हो जाता था। लो टाइड (भाटा) के समय एक शक्तिशाली टरबाइन वॉटर पम्प 5 घंटे में टैंकों को भर देता था। यहां 500 से ज्यादा प्राइवेट ड्रैसिंग रुम थे तथा 20,000 लोगों के लिए स्नान की सुविधा थी। पूल्स के अलावा एक म्यूज़ियम भी था, जिसमें वो वस्तुएं प्रदर्शित थीं जो सूत्रो ने मिस्र की यात्रा के दौरान एकत्रित की थीं। इसके अलावा स्टफ्ड पोलर बेअर और वनमानुष, अलास्का के टोटम पोल और मैक्सिको, चीन, एशिया व मध्य-पूर्व से एकत्रित पेंटिंग्स, टैपस्ट्रीज़ और कलाकृतियां भी थीं। सूत्रो बाथ बेहद लोकप्रिय थे पर ये फायदे का सौदा साबित नहीं हुए और इनका रखरखाव महंगा पड़ने लगा। धीरे-धीरे इनकी लोकप्रियता कम हो गई। फायदेमंद बनाने के लिए इसे आइस स्केटिंग रिंक में बदल दिया गया, पर यह अपनी पुरानी लोकप्रियता कभी नहीं पा सका। बाद में एक प्रॉपर्टी डवलपर ने यह इमारत खरीद ली, उसने टैंक तोड़ने शुरु किए ताकि वहाँ ऊंची इमारत बना सके। सन् 1966 में रहस्यमय तरीके से आग लगने के कारण बचाखुचा ढांचा भी नष्ट हो गया। लेकिन यहां कभी भी ऊंची इमारत नहीं बन पाई।

'पेपर लीक की घटनाओं के पीछे बेरोजगारी सबसे बड़ा कारण'

मुख्यमंत्री का तर्क है-बेरोजगारी बढ़ेगी तो क्राइम बढ़ेगा, पेपर लीक के गैंग बनेंगे

- "आदमी जब फ्रस्ट्रेशन में होता है तो क्राइम करता है, नशा करता है, क्या-क्या नहीं करता?"
- घोघरा मामले में कहा-युवा विधायक भावुक हैं, मना लेंगे।

जयपुर, 19 मई (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी को माना है उनका कहना है कि जिस तरह से पेपर लीक की घटनाएं पूरे देश में हो रही हैं उसका कारण है कि बेरोजगारी फैल रही है और देश में बेरोजगारी मुद्दा बना हुआ है। रीट के बाद कॉंस्टेबल भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक होने संबंधी सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने यह बात कही। वहीं उन्होंने कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा की ओर से दिए गए इस्तीफे पर कहा कि वैभव का आदमी है हम उन्हें मना लेंगे। इसी के साथ मर्डर केस में गिरफ्तार उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी के भाई के मामले को लेकर कहा कि जो भी गलत होगा उसके खिलाफ कार्यवाही होगी इसके लिए हम ने पुलिस को कह रखा है कि किसी की सिफारिश नहीं माननी है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा "जो क्राइम हो रहा है, रेप हो रहे हैं काफी हद तक उसके पीछे भी कारण होता है कि आदमी जब फ्रस्ट्रेशन में होता है तो क्राइम करता है, नशा करता है, क्या क्या नहीं करता ? रोजगार नहीं मिलेगा तो क्राइम बढ़ेगा और पेपर लीक जैसी घटनाएं गैंग बनाकर होंगी जो कि हो रही हैं। हर राज्य में होने लगी हैं। यूपी में बहुत बड़ी घटना हुई थी। राजस्थान में कानून पास किया है। हम सुनिश्चित करेंगे कि युवाओं को रोजगार मिले। इतनी बड़ी संख्या में नौकरियां निकाली हैं, उसका फायदा तो मिले।"

गणेश घोघरा के इस्तीफे पर गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की सभा में गणेश घोघरा ने कहा था कि "हमारे मुख्यमंत्री गांधीवादी नेता हैं। आप समझ जाओ, मुख्यमंत्री गांधीवादी है, तो एसडीओ को बंद करने वाला काम तो गांधीवादी नहीं है। गणेश घोघरा हमारा नौजवान साथी है, भावुक आदमी है। इस्तीफे की घोषणा की होगी हम समझाइश करेंगे, मान जाएगा। वे जनता के लिए संघर्ष करते रहते हैं। उनकी तारीफ करनी चाहिए।" गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा था कि जनता से कनेक्शन जोड़ो, जनप्रतिनिधि को जनता के बीच जाना चाहिए। राजनीति में काम करने वालों का यही असली काम होता है कि जनता के बीच जाएं, जनसुनवाई करें। पर वहां घटना दूसरी हो गई, अति उत्साह में एसडीओ को बंद कर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजस्थान में कानून का राज है, कानून का राज रहना चाहिए। इसलिए एसडीओ को बंद करने की एफआईआर दर्ज हो गई। मैंने तनाव के वक्त भी कहा था और अब भी खुले तौर पर कह रहा हूं कि कोई हिंसा करवाएगा, दंगे करवाएगा तो कानून अपना काम करेगा। गणेश घोघरा को इसलिए फील हुआ होगा कि एफआईआर दर्ज हो गई, कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी हुई होगी।

उप सचेतक महेंद्र चौधरी के भाई पर मर्डर केस में गिरफ्तारी पर मुख्यमंत्री ने कहा मंत्री, विधायक अपने पद का दुरुपयोग कर किसी परिजन को बचाएं तो आप आरोप लगाएं। कोई गलत काम करता है तो कानून अपना काम करेगा तो मैंने पुलिस को दो टूक कह रखा है कि अपराध के मामले में निष्पक्ष होकर काम करना है, राजनीतिक सिफारिश नहीं माननी है।

'गेहूँ के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुमति के आधार पर गेहूं के निर्यात की अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अन्य देशों के अनुरोध पर भी सरकार निर्यात की अनुमति देगी।"

कर्मचारियों की धमकी, विधायकों का रवैया नहीं सुधरा तो आंदोलन करेंगे

अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कांग्रेस विधायकों के रवैये से पनप रहा है कर्मचारी संगठनों में विरोध

जयपुर, 19 मई (का.प्र.)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार इस बार राज्य कर्मचारियों को खुश करने के जहां हर जतन कर रही है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के विधायकों द्वारा कर्मचारियों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्यवाहियों के बाद कर्मचारियों में सरकार के प्रति लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। ऐसे में सरकार की ओर से राज्य कर्मचारियों के हितों में किए गए फैसलों के बावजूद कर्मचारी सरकार के प्रति खफ़ा नजर आते हैं।

बाड़ी विधायक गिर्राज मलिंगा और उनके समर्थकों द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों से मारपीट की घटना के अलावा एसीबी की ओर से आर.ए.एस. अधिकारी को बुलाकर पूछताछ करने के मामले हो चुके हैं और अब आदिवासी विधायक गणेश घोघरा और उनके समर्थकों द्वारा एसडीएम को बंद करने का मामला चर्चा में हैं। इन सब मामलों को लेकर राजस्थान के कर्मचारियों में कांग्रेस के प्रति गुस्सा पनपता दिख रहा है। कर्मचारी महासंघ की ओर से मुख्यमंत्री से इन तमाम मामलों को लेकर ज्ञापन देने तथा विधायकों के रवैये की शिकायत करने की तैयारी है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि वे विधायकों की ज्यादती अब ज्यादा बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है।

कर्मचारी संगठन से जुड़े एक कर्मचारी का कहना है कि राज्य के कर्मचारी हितैषी मुख्यमंत्री कर्मचारियों के हित में नए-नए एतिहासिक फैसले कर आयाम स्थापित कर रहे है। इन फैसले में पुरानी पैन्शन योजना लागू करना, आर.जी.एच.एस. योजना, विभिन्न भत्ते बढ़ाये जाना, 3 लाख कर्मचारियों के वेतन कटौती के आदेशो पर रोक लगाने समेत अनेकों कर्मचारी हित के कार्यों के बावजूद विधायकों की ओर से राज्य सरकार के कर्मचारियों को ऑफिस में बंद कर देने, उनसे मारपीट करने तथा उनको स्थानान्तरण की धमकिया देने सहित मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। कर्मचारी नेता इसकी कड़ी निन्दा करते है। इस मामले को लेकर कर्मचारी महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता एवं नर्सेज नेता नरेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी, प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा का कहना है कि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने व दोषी लोगों पर कार्यवाही करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन देंगें।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि कर्मचारियों व अधिकारियों को इसी तरह से प्रताड़ित किया गया तो राज्य के समस्त कर्मचारी संगठनों की बैठक बुलाकर प्रभावी आन्दोलन किया जायेगा।

आज़म खान को जमानत

नई दिल्ली, 19 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सपा नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान की अंतरिम जमानत की अर्जी गुरुवार को स्वीकार कर ली। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति बी. आर. गवयी और ए. एस. बोपन्ना की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत प्राप्त अपनी अधिकारों का प्रयोग करते हुए अंतरिम जमानत का आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता पूर्व मंत्री को संबंधित अदालत के समक्ष दो सप्ताह के भीतर नियमित जमानत की अर्जी दाखिल करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

- आज़म खान की जमानत भी ऐसे मौके पर हुई है, जब आगामी जुलाई में रामपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने वाला है।

सुप्रीम कोर्ट ने साइरस मिस्त्री की पुनर्विचार याचिका खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के कंपनी के फैसले को फिर बरकरार रखा

नई दिल्ली, 19 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने साइरस मिस्त्री को टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के टाटा समूह की कार्यवाही को सही ठहराने वाले अपने पिछले साल के एक फैसले पर पुनर्विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रह्मण्यन की पीठ ने साइरस मिस्त्री की याचिका खारिज कर दी।

याचिका शापूरजी पल्लोनजी समूह दायर की गई थी, जिसमें शीर्ष अदालत से 26 मार्च 2021 के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की गुहार लगाई गई थी।

- वर्ष 2016 से चल रहे इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने राहत दी है।

उच्चतम न्यायालय ने 2021 में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.ए. टी.) के 18 दिसंबर 2019 के उस फैसले को पलट दिया था, जिसने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में साइरस मिस्त्री को बहाल करने का आदेश दिया था।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने मिस्त्री पर की गई कुछ खास टिप्पणियों को हटाने की उनकी गुहार संबंधी एक आवेदन को स्वीकार कर लिया। साइरस मिस्त्री ने उनका टिप्पणियों का विरोध किया था।

वर्ष 2016 से चल रहे इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर शीर्ष अदालत के फैसले ने राहत दी है। रतन टाटा ने साइरस मिस्त्री को वर्ष 2016 में टाटा संस का अध्यक्ष नियुक्त किया था लेकिन कुछ ही समय बाद रतन टाटा एवं साइरस मिस्त्री के बीच रिश्तों में कुछ खटास आ गई और उन्होंने साइरस मिस्त्री को पद से हटाने का निर्णय लिया।

1948 में आज़ादी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्सपर्ट्स ने इन खबरों पर यह कहते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है कि चूक जीवन का अन्त नहीं है, बल्कि यह सुधारों और पुनर्निमाण के एक नए चरण की शुरुआत है।

यह बात भारत जैसे देश के मामले में अधिक सच जान पड़ती है। जैसा कि हमने देखा है वर्ष 1991-92 में विदेशी भुगतानों में चूक के खतरे ने भारतीय आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत की थी, जो कि देश की आर्थिक संरचना के लिए सर्वाधिक महत्वाकांक्षी और व्यापक बदलाव थे और इन्होंने आर्थिक वृद्धि तथा विकास का सूत्रपात किया।

बाजार में आयी वर्तमान निराशा का कारण यह धारणा है कि अब मंदी आने वाली है। परिणामस्वरुप बड़े केन्द्रों से वित्तीय बाजार खिसक रहे हैं। शेयर्स की कीमतें धराशायी हो रही हैं और बॉण्ड्स से मुनाफा बढ़ रहा है।

वित्तीय बाजारों की अनिश्चिता और विपरीत रुख के समय में निवेशक प्राय: जोखिमपूर्ण परिसम्पत्तियों से किनारा कर अमेरिकी डॉलर वाली सेफ हैवन परिसम्पत्तियों की शरण में जाते हैं। इससे उभरते बाजारों में तुरंत प्रभाव से कुछ धनवापसी हो सकती है।

भारतीय स्टॉक मार्केट ने ग्लोबल ट्रैण्ड्स के कारण हाल ही के सप्ताहों में जबर्दस्त झटका खाया है। स्टॉक मार्केट के ट्रैण्ड्स जब कमजोर पड़ जाते हैं, तो विदेशी संस्थागत निवेशक अपने निवेश मूल्य: को बनाए रखने के लिए वहां से निकल लेते हैं। निवेशक इसके कारण निवेशक अपने शेयर्स के मूल्य को रुपए में कन्वर्ट कर बाजार छोड़ देते हैं जिससे रुपए की विनिमय दर तुरंत प्रभाव से गिर जाती है।

यह वास्तव में वैसा ही है जैसा कि वर्ष 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट के तुरंत बाद हुआ था। वैश्विक बाजारों के परति अविश्वासी रुख के कारण वित्तीय बाजार गिर गए थे। भारत के मामले में वैश्विक वित्तीय गिरावट स्टॉक और विदेशी विनिमय बाजारों के जरिए भारतीय बाजारों में प्रवेश कर गई थी। भारतीय रुपए में आई गिरावट और गंभीर होती, लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) ने बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को सराहा दिया। आर.बी.आई. ने रुपए का मूल्य स्थिर करने के लिए अपने मुद्रा भण्डार की तिजोरी खोल दी है।

सिद्धू को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने इस दलील को अस्वीकार कर दिया कि उन्हें निन्दनीय मानव-वध का अपराधी माना जाये, हालांकि यह इंडियन पैनल कोड़ (आई.पी.सी.) की धारा 304ए के तहत, हत्या के समकक्ष न हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने उस याचिका पर अपने निर्णय को 25 मार्च को सुरक्षित रख लिया था, जो याचिका इसी अदालत के उस आदेश पर पुनर्विचार हेतु लगाई गई थी, जिस आदेश में सिद्धू को इसी केस में 1000 रू. का जुर्माना करके छोड़ दिया गया था। अदालत ने सिद्धू की सजा में वृद्धि की माँग करने वाली इस पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर लिया। वादी के वकील सुधीर वालिया ने इस फैसले का स्वागत किया है। सिद्धू को आदेश दिया गया है कि इस सजा के सिलसिले में पटियाला कोर्ट के समक्ष आत्म समर्पण कर दें। इससे पूर्व, सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें 1000 रू. जुर्माना करने के बाद मुक्त कर दिया था। उन्हें दी गई इस सजा का कारण 1988 में हुए तेज गति से गाड़ी चलान के कारण हुए हादसे में किसी गुरनाम सिंह नामक व्यक्ति की मृत्यु हो जाना रहा।

टोक्यो में क्वॉड नेताओं की सुरक्षा के प्रति जापान आशंकित

राष्ट्रपति बाइडन, प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन और प्रधानमंत्री कीशीदा फूमीयो की सुरक्षा में 18 हजार से अधिक जवान तैनात किये जायेंगे

नई दिल्ली, 19 मई। जापान की राजधानी टोक्यो में क्वॉड नेताओं की 24 मई को बैठक होने वाली है। इस बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री फूमीयो कीशीदा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन शामिल होंगे। ऑस्ट्रेलिया में 21 मई को आम चुनाव हैं इसलिए यह साफ नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्वॉड शिखर सम्मेलन में कौन भाग लेगा। इस बीच टोक्यो पुलिस ने कहा है कि, क्वाड नेताओं की कड़ी सुरक्षा को लेकर करीब 18 हजार पुलिस अधिकारियों को टोक्यो में तैनात किया जाएगा।

जापान टाइम्स की एक रिपोर्ट बताती है कि टोक्यो के मेट्रोपॉलिटन एक्सप्रेसवे पर 22 मई से तीन दिनों के लिए यातायात प्रतिबंध लगाया जाएगा। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग को आशंका है कि, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच तनावपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण में हमलों और व्यवधानों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में टोक्यो पुलिस ड्रोन का जवाब देने के लिए दंगा पुलिस और सुरक्षा दल भी तैनात करेंगे।

क्वॉड मीटिंग की जानकारी देते हुये भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 मई को टोक्यो में क्वाड समिट में शामिल होंगे। यह क्वाड लीडर्स के बीच चौथा पारस्परिक संवाद होगा। ये हिन्द प्रशांत क्षेत्र और परस्पर हित के दूसरे विश्व मुद्दों पर विचार साझा करने का अच्छा अवसर होगा।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान के बिजनस लीडर्स के साथ एक बिजनस इवेंट में हिस्सा लेंगे। वे जापान में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की भी संभावना है। वहीं पैंगोंग त्सो झील के पास चीन द्वारा ब्रिज तैयार करने की खबरों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि, ब्रिज के बारे में रिपोर्ट देखी हैं, ये सैन्य मुद्दा है, इस पर मैं कुछ कह नहीं पाऊंगा, इसे हम अधिकृत क्षेत्र मानते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि बातचीत चल रही है। एल.ए.सी. के बारे में हमारी लगातार वार्ता होती रहती है। चीन के विदेश मंत्री भी आए थे, हमारी अपेक्षाएं भी उनके आगे रखी गई। कोशिश रहेगी कि इसे आगे बढ़ाते रहें, बातचीत से समाधान निकालना पड़ेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, पिछले साल काबुल में सुरक्षा स्थिति के चलते सभी भारतीय कर्मियों को अफगानिस्तान से बाहर निकालना पड़ा।

- जापान की राजधानी टोक्यो में क्वॉड नेताओं की 24 मई को बैठक होने वाली है जिसमें ये सभी नेता शामिल होंगे।

जी.एस.टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन करते हुये, न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच ने कहा कि जी.एस.टी. काउंसिल की अनुशंसाएं केवल "विश्वासोत्पादक (पर्सुएसिव) हैं, बाध्यकारी नहीं।" बैंच ने कहा कि जी.एस.टी. काउंसिल की भूमिका यहीं तक सीमित है कि वह केन्द्र तथा राज्य सरकार को उचित रूप से सलाह दे। बैंच के अन्य दो जज थे- न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं विक्रम नाथ।

फैसले में कहा गया है, "सरकार, सी.जी.एस.टी. एक्ट तथा आई.जी.एस.टी. एक्ट के प्रावधानों के तहत, कानून बनाने के अधिकारों को काम में लेते समय, जी.एस.टी. काउंसिल की सिफारिशों से बाध्य है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि अनुच्छेद 279ए (4) के आधार पर की गई जी.एस.टी. काउंसिल की सभी सिफारिशें प्राथमिक कानून बनाने के मामले में विधायिका की शक्ति का बाध्य करने वाली हैं।"

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी। किन्तु प्रबंध समिति के एक अधिकारी ने कहा है, "धर्मनिष्ठ लोग वज़ू नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि जिस जगह नलों का पानी उपलब्ध है, वह जगह सील कर दी गई है। हमने नमाज़ियों से निवेदन किया है कि वे मस्जिद आने से पहले अपने घर पर ही वज़ू कर लें। वाराणसी की अंजुमन इन्तज़ामिया मस्जिद की प्रबंध समिति की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील हुज़ेफ़ा अहमदी ने बैंच से कहा कि उनकी "आशंका केवल यह है कि वज़ू खाना के पास वाली एक दीवार को गिराने के लिये कोई अर्ज़ी लगा दी गई है" तथा आगे की कार्यवाही चल रही हैं।

बैंच ने एडवोकेट विष्णु शंकर जैन, जिन्होंने स्थगन का निवेदन किया था, ने कहा कि दूसरे पक्ष द्वारा व्यक्त डर/आशंका को मद्देनज़र रखते हुये, वे गुरुवार को ट्रायल कोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिये दबाव न डालें।

वकील इस सुझाव से सहमत हो गये तथा अदालत ने इसे रिकॉर्ड पर ले लिया तथा ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिये कि वह सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व आदेश की कठोरता से अनुपालना करे तथा इस मुकदमें की आगे कोई भी कार्यवाही करने से स्वयं को दूर रखे।

एक बार फिर ताइवान का मुद्दा छेड़ कर चीन को नाराज किया अमेरिका ने

अमेरिका ने कहा कि, ताइवान को डब्ल्यु.एच.ओ. की सदस्यता दी जाये

वॉशिंगटन, 19 मई (वार्ता/स्पूतनिक)। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) को सलाह दी है कि वह आगामी विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यू.एच.ए.) में ताइवान को एक पर्यवेक्षक के तौर पर आमंत्रित करने के मुद्दे पर विचार करें और ताइवान को इसमें शामिल होने वाले अन्य प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का एक मौका दें। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यह जानकारी दी है।

ब्लिंकन ने एक बयान में कहा, हम विश्व स्वास्थ्य संगठन में एक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने के लिए ताइवान को आमंत्रित करने और मई में आयोजित होने वाले 75वें डब्ल्यू.एच.ए. में समाधान संबंधित चर्चाओं में ताइवान को अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का मौका दे।

विदेश मंत्री ने कि ताइवान वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय का एक सक्षम और जिम्मेदार सदस्य है और इसकी क्षमताएं और इसकी क्षमताएं एवं दृष्टिकोण डब्ल्यू.एच.ए. चर्चाओं की दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ताइवान को इससे बाहर रखने का कोई तुक नहीं बनता, बल्कि इसे शामिल करने से ही दुनिया की भलाई है। ब्लिंकन के मुताबिक वैश्विक महामारी के समय में पूरी दुनिया एकजुट रहा है, ऐसे में ताइवान को अलग-थलग रखना कदापि उचित नहीं है।

चीन ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका चीन के आंतरिक मामलों में दखल देता है, तो चीन अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाएगा।

चीन के विदेश मामलों के लिए केंद्रीय आयोग के कार्यालय के निदेशक यांग जिएची ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से दूरभाष पर हुई वार्ता के दौरान यह बातें कही।

चीन के विदेश मंत्रालय ने वांग के हवाले से कहा, चीन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई करेगा और जो हमने कहा है उसे करके दिखायेंगे।

वांग के अनुसार अमेरिका ने एक के बाद एक लगातार चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और उसके राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाले गलत कार्यों और बयानों की कतार लगा दी है।

'घर-घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना" की अनुमति न दिये जाने पर अड़ गये थे। इस फैसले से, इस योजना को लेकर, केजरीवाल को एक बड़ा झटका लगा है। ज्ञातव्य है कि पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी की जीत के बाद केजरीवाल ने इस योजना को पंजाब में भी आगे बढ़ा दिया है।

उच्च न्यायालय, जिसने 10 जनवरी को अपने इस फैसले को सुरक्षित रख लिया था, ने दिल्ली सरकारी राशन डीलर्स संघ की याचिका को अनुमति प्रदान कर दी। इस संघ ने गत वर्ष उन निविदाओं को चुनौती दी थी, जो इस योजना की क्रियान्विति के लिये जारी की गई थीं। केन्द्र सरकार ने गत वर्ष इस याचिका का समर्थन कर दिया था तथा दलील दी थी कि उचित मूल्य की दुकानों को समाप्त नहीं होने दिया जा सकता क्योंकि ये दुकानें नैशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट (एन. एफ.एस.ए.) की क्रियान्विति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भाजपा में शामिल हुये सुनील जाखड़

नई दिल्ली,19 मई (वार्ता)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने जाखड़ को अंगवस्त्रम पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और कहा कि राष्ट्रीय सोच और विचारधारा के लोगों का भाजपा में स्वागत है। जाखड़ ने कांग्रेस नेतृत्व की शैली पर गहरे सवाल उठाते हुए पिछले दिनों पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया था।

जाखड़ ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खुले दिल और आत्मीयता से उनका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वह निजी स्वार्थ की राजनीति नहीं करते लेकिन जिस तरह उनकी पिछली पार्टी कांग्रेस ने पंजाब को वहां की आबादी में, जात-पात और धर्म के प्रतिशत (अनुपात) के नाम पर बांटने की कोशिश की, वह उनके लिये पीड़ादायक था। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस तरह की राजनीति का विरोध किया और इसलिये उन्हें कांग्रेस छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि पंजाब में कोई दोयम दर्जे का नागरिक नहीं है। पंजाब ने देश की सेवा में अपना नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने उसूलों से हट चुकी है।

- जाखड़ ने इस मौके पर कहा कि, भाजपा हाईकमान ने खुले दिल और आत्मीयता से मुझे पार्टी में आमंत्रित किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908